CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-09
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार, 13 अप्रैल 2024

आज का विचार

सपनों को सच करने से पहले सपनों को ध्यान से देखना होता है।

शुभ नवरात्रे

स्कंध माता
' ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै '

किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने दी चुनौती, बोलीं-

'पीएम मोदी गंगापुत्र तो मैं शिखंडी'

नई दिल्ली। अखिल भारतीय हिंदू महासभा की तरफ से स्वामी चक्रपाणि ने देशभर में 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार को चुनावी मैदान में उतारा है. इनमें से एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाराणसी लोकसभा सीट भी है. इस सीट से हिन्दू महासभा ने किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी को पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा है. वाराणसी से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद हिमांगी सखी चुनाव प्रचार के मैदान में कूद गई हैं. इस दौरान हिन्दू महासभा के स्वामी चक्रपाणि खुलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे है और उन पर जुबानी हमले कर किए जा रहे हैं. स्वामी चक्रपाणि ने कहा, बीफ खाने वालों को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा आयोजन में बुला लिया गया लेकिन हमारे संघर्षों को नजरअंदाज करते हुए हमें आमंत्रण तक नहीं दिया गया, ना ही ट्रस्ट में जगह दी गई. इसलिए हिंदू जन जागृति के उद्देश्य से हमने लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों को उतारने का एलान किया है. इसी क्रम में वाराणसी से अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी को चुनावी मैदान में उतारा है. वाराणसी से लोकसभा प्रत्याशी हिमांगी सखी ने कहा कि किन्नर समाज के मुद्दों को लेकर हम वाराणसी की जनता के बीच में जाएंगे. हमारे समाज को आरक्षण मिले, हमें भी लोकसभा और विधानसभा निर्धारित सीटों पर चुनाव लड़ने का अवसर मिले. यह हमारी प्रमुख मांग है. बीते वर्षों में हमारे अधिकारों के बारे में कुछ भी ध्यान नहीं दिया गया. हम भी समाज की मुख्य धारा में रहकर जीना चाहते हैं. और यह स्पष्ट है कि अगर प्रधानमंत्री मोदी खुद को गंगा पुत्र कहते हैं तो मैं शिखंडी हूं और उन्हें शरणागत होना पड़ेगा. किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने कहा कि कल काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने जाएंगे. इसके अलावा लगातार सुर्खियों में चल रहा काशी ज्ञानवापी मामले में, स्ढ्ढ ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया है. काशी ज्ञानवापी परिसर पूरा हिंदुओं का है. रही बात एक और पक्ष के आस्था की तो काशीवासियों का भी इस पूरे परिसर से आस्था जुड़ा हुआ है. वैसे देखना होगा कि आगामी लोकसभा चुनाव में किन्नर महामंडलेश्वर को काशी की जनता का कितना समर्थन प्राप्त होता है।

लक्ष्मी मार्केट की बिल्डिंग में 24 घंटे बाद भी नहीं बुझी आग, अभी भी फट रहे सिलेंडर, लोगों में हड़कंप

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में लक्ष्मी मार्केट में शुक्रवार की सुबह 9 बजे लगी भीषण आग 24 घंटे बाद भी बुझाई नहीं जा सकी है। बहुमंजिला बिल्डिंग के बेसमेंट में अभी भी सिलेंडर ब्लास्ट हो रहे हैं।दिन-रात चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी आग पर काबू न पाए जाने के कारण अब आसपास की दुकानों को खाली करवाया जा रहा है। हाल यह है कि अग्नि बुझाने के लिए दमकल की 18 गाड़ियां करीब 200 चक्कर काट चुकी हैं, लेकिन लपटें शांत नहीं हुई हैं। लक्ष्मी मार्केट स्थित बहुमंजिला बिल्डिंग में मेडिकल स्टोर, इलेक्ट्रिकल्स और कपड़े के गोदाम हैं। वहीं, बड़ी संख्या में मेडिकल्स के साथ ही गैस और केमिकल के सिलेंडर मौजूद थे।

एसी गैस के सिलेंडर्स फट रहे - सिलेंडर्स से सोडे और एसी में गैस भरी जाती थी। आग के कारण सारा सामान जलकर खाक हो गया है। इसके साथ ही ऊपर की दो मंजिलों में होजरी का सामान रखे होने की बात सामने आई है। वहां भी आग पहुंच गई। आग लगने से सोडे और एसी में भरने वाली गैस के सिलेंडर और केमिकल के डब्बे फटने लगे। मेडिकल दुकानों से शुरू हुई यह आग पहले ग्राउंड फ्लोर, फिर दूसरी और तीसरी मंजिल तक पहुंच गई, जिसपर संसाधनों की कमी के कारण समय परनियंत्रण नहीं पाया जा सका और अग्नि विकराल हो गई।

उच्च पदाधिकारियों ने भी लयिा जायजा आग लगने की सूचना पर कलेक्टर, एसपी और अजमेर दक्षिण विधायक अनीता भदेल मौके पर पहुंची थीं। वहीं, बाद में अजमेर रेंज आईजी लता मनोज भी मौके पर पहुंची थीं। दुकानों में होजरी और सिंथेटिक कपड़ों के कारण आग तेजी से फैली। आग बुझाने के लिए दीवार तोड़ी गई, लेकिन इससे अधिक सफलता नहीं मिली। शनिवार को सुबह तक इसमें सिलेंडर ब्लास्ट हो रहे हैं। पुलिस और प्रशासन मौके पर मौजूद है। आसपास के इलाके में मार्केट की दुकानों को खाली कराया जा रहा है। वहीं, मशीनों की मदद से दीवार तोड़ने का काम किया जा चुका है।

संत प्रेमानंद महाराज की बिगड़ी तबीयत

सीने में उठा दर्द, अस्पताल में भर्ती

वृंदावन। मथुरा-वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज की अचानक तबीयत बिगड़ गई. आनन-फानन में उन्हें वृंदावन के अस्पताल में भर्ती कराया गया. जानकारी के मुताबिक प्रेमानंद महाराज के सीने में दर्द उठा था. इसके बाद उन्हें इलाज के लिए राम कृष्ण सेवा आश्रम अस्पताल ले जाया गया. जहां डॉक्टरों ने उनका चेक-अप किया. जांच के बाद रात करीब 8 बजे उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया. प्रेमानंद महाराज का स्वास्थ्य फिलहाल ठीक है. वह पूरी तरह स्वस्थ हैं. संत प्रेमानंद महाराज किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं और उनकी डायलिसिस भी होती रहती है. प्रेमानंद महाराज छटीकरा रोड पर मौजूद श्री कृष्ण शरणम् सोसाइटी से रमणरेती क्षेत्र स्थित अपने आश्रम श्रभ् हित राधा केलि कुंज जाते हैं. करीब 2 किलोमीटर की इस पद यात्रा के दौरान महाराज की झलक पाने के लिए हजारों की तादाद में लोग उमड़ पड़ते हैं. प्रेमानंद महाराज महज मथुरा-वृंदावन की गलियों तक ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बेहद फेमस हैं. इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर महाराज के वीडियो, रील्स और कार्ड्स वायरल होते रहते हैं. वृंदावन के इस संत की लोकप्रियता का आलम इस कदर है कि क्रिकेटर, एक्टर, सिंगर समेत विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका जगत से जुड़ी तमाम हस्तियां भी महाराज द्वार पर आशीर्वचन लेने के लिए आ चुकी हैं. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत भी प्रेमानंद महाराज के आश्रम में सत्संग का लाभ ले चुके हैं. इतना ही नहीं, विराट कोहली भी अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बिटिया वामिका को लेकर संत का अशीर्वाद लेने जा चुके हैं.

बोहरा समाज की मस्जिद में मोदी के जयकारे गूंजे

भोपाल। मध्यप्रदेश के भोपाल की बोहरा समाज की अलीगंज हैदरी मस्जिद में 'हर हर मोदी घर घर मोदी' के नारे गूंजे। मस्जिद के अंदर ही समाज के लोगों ने घर घर मोदी के अलावा 'मोदी है तो मुमकिन है' के भी नारे लगाए। बात सिर्फ नारों तक सीमित नहीं रही, बल्कि मस्जिद के अंदर मोदी के पोस्टर लहराए और एकजुट होकर नारा लगाया 'अबकी बार 400 पार'। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा भी वहां मौजूद रहे। मस्जिद के आमिल जौहर अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमारे वजीरे आलम की हम बहुत कद्र करते हैं। प्रधानमंत्री सैयदना साहब के मुरीद हैं। उनसे हमारे घर जैसे रिश्ते हैं। अल्लाह करे उन्हें कामयाबी मिले। इसके अलावा पीएम के सैयदना साहब से भी बढिया रिश्ते हैं।

पीडीएम गठबंधन ने सात प्रत्याशी किए घोषित, रायबरेली से हाफिज मोहम्मद मोबीन और बरेली से सुभाष पटेल को उतारा

अपना दल कमेरावादी ने शनिवार को सात लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। कार्यालय स्थित लखनऊ में डॉ पल्लवी पटेल के उपस्थति में कल देर शाम तक चली बैठक के बाद पीडीएम (पिछड़ा, दलित, मुस्लिम) गठबंधन के प्रत्याशियों की पहली सूची आज सुबह जारी की गई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजय पटेल ने कहा कि पीडीएम उत्तर प्रदेश मजबूती से चुनाव लड़ेगी। शेष अन्य सीटों पर शीघ्र ही प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। पीडीएम ने रायबरेली से हाफिज मोहम्मद मोबीन और बरेली से सुभाष पटेल को चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं, हाथरस से डॉ. जयवीर सिंह धनगर, फिरोजाबाद से प्रेमदत्त बघेल, फतेहपुर से रामकिशन पाल, भदोही से प्रेमचंद बिन्द, चंदौली से जवाहर बिन्द को उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि अखिलेश यादव के पीडीए के जवाब में अपना दल कमेरावादी ने तीन और पार्टियों के साथ मिलकर पीडीएम न्याय मोर्चा का गठन किया है। इस गठबंधन में अपना दल कमेरावादी, ए.आई.एम.आई.एम., राष्ट्र उदय पार्टी एवं प्रगतिशील मानव समाज पार्टी शामिल हैं। यह गठबंधन यूपी की कई सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगा। पल्लवी पटेल ने इस गठबंधन को लेकर कहा था कि नए राजनीतिक परिस्थितियों में विभिन्न सामाजिक समूहों खासकर अन्य पिछड़ा वर्ग की अनेक जातियों, दलित एवं मुसलमान का दमन उत्पीड़न एवं अन्याय बढ़ा है। सरकार की कार्यशैली एवं मुख्य विपक्ष का इन सवालों पर पीछे हटना नए राजनीतिक विकल्प की मांग करता है। इसलिए हम पीडीएम के नारे के साथ पिछड़ा दलित, मुसलमान की भागीदारी के सवाल पर और दमन, उत्पीड़न एवं अन्याय के खिलाफ नए राजनीतिक विकल्प की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

राहुल गांधी आज बस्तर में लेंगे चुनावी सभा, विवादों में घिरे कवासी लखमा के लिए मांगेंगे वोट

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार को बस्तर में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा नगर पंचायत मुख्यालय स्थित लालबहादुर शास्त्री स्टेडियम में दोपहर 12 बजे से होगी। इसके लिए सारी तैयारियां कर ली गई हैं। राहुल गांधी कांग्रेस प्रत?याशी कवासी लखमा के लिए वोट मांगेंगे।सभा के एक दिन पहले शुक्रवार शाम को पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, लोकसभा चुनाव संचालन समिति के संयोजक व बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल के साथ बस्तर पहुंचे और सभा स्थल में तैयारियों का अवलोकन किया।

बस्तर को 2008 में मिला नगर पंचायत का दर्जा- बस्तर जिले का मुख्यालय जगदलपुर है तो बस्तर से 18 किलोमीटर दूर है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बस्तर आजादी से पहले रियासतकालीन राजधानी रही थी। लगभग 15 हजार की आबादी वाले बस्तर को 2008 में नगर पंचायत का दर्जा मिला था। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों आठ अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुनावी जनसभा भी इसी बस्तर विकासखंड के ग्राम छोटे आमाबाल में हुई थी। बस्तर से लगभग 20 किलोमीटर दूर है। कांग्रेस ने भी राहुल गांधी की चुनावी जनसभा के लिए इसी विकासखंड को चुना है। निरीक्षण के दौरान धनेन्द्र साहू, मोहन मरकाम, राजमन बेंजाम, मलकीत सिंह, मिथलेश आदि भी उपस्थित थे।

प्रियंका भी इसी दिन आई थीं- राहुल गांधी की बहन कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी भी एक साल पहले 13 अप्रैल को बस्तर दौरे पर आई थीं। वह जगदलपुर में आयोजित कांग्रेस के भरोसे के सम्मेलन में शामिल हुई थीं। प्रियंका गांधी के दौरे के ठीक साल भर बाद इसी तारीख को बस्तर दौरे पर आ रहे हैं।

संजय सिंह का बड़ा आरोप- बीजेपी के इशारे पर हो रहा काम

केजरीवाल की पत्नी को भी खिड़की से मिलवा रहा जेल प्रशासन

नई दिल्ली। दिल्ली से आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा आरोप लगाया है। संजय सिंह ने दावा किया है कि भाजपा के प्रेशर में तिहाड़ जेल प्रशासन काम कर रहा है।संजय ने आरोप लगाया, जेल प्रशासन दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनकी पत्नी से आमने-सामने नहीं मिलने दे रहा। सुनीता केजरीवाल दिल्ली सीएम से खिड़की के पीछे से मिल रही हैं। इसके साथ ही संजय सिंह ने आरोप लगाया कि आज तक किस चुने हुए मुख्यमंत्री को दूसरे मुख्यमंत्री से जेल में जंगले में मिलना पड़ा है। किसी को भी नहीं, लेकिन तिहाड़ जेल प्रशासन ने पंजाब के सीएम भगवंत मान को सीएम केजरीवाल से मिलने के लिए मुलाकाती जंगले की जगह तय की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केंद्र की तानाशाही है जो एक मुख्यमंत्री को किसी मुलाकाती से आमने-सामने मिलने नहीं दे रहे।

केजरीवाल की याचिका पर 15 अप्रैल को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट, ईडी की कार्रवाई को दी है चुनौती

सुप्रीम कोर्ट ने शराब नीति मामले में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई के लिए हामी भर दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख मुकर्रर की है। बताया गया है कि जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ उनकी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। केजरीवाल ने ईडी की गिरफ्तारी व रिमांड के खिलाफ अपील की है। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में कहा, गिरफ्तारी अविश्वसनीय दस्तावेज पर आधारित है और हमसे छिपाई गई है। इस पर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, ईमेल भेजें, मैं इस मामले को देखेंगे।

राहुल गांधी ने चुनावी रैली के बीच रात को मिठाई की दुकान से गुलाब जामुन खरीदे, कही ये बात

तिरुनेलवेली। लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे तमाम राजनीतिक दलों की दिल की धड़कने बढ़ती जा रही है। सभी दल देशभर में ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार रात तमिलनाडु के सिंगनल्लूर में एक मिठाई की दुकान पहुंचे। जहां मौजूद लोग उन्हें अपने बीच देख हैरान हो गए। दुकानदार और वहां काम करने वाले लोगों से बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने एक किलो अपने पसंदीदा गुलाब जामुन खरीदे। दुकान के मालिक ने बताया कि जब राहुल गांधी आए तो हमें आश्चर्य हुआ। वह एक बैठक के लिए कोयंबटूर आ रहे थे। चूंकि उन्हें गुलाब जामुन पसंद है, तो उन्होंने एक किलो मिठाई खरीदी। उन्होंने प्रदर्शित अन्य मिठाइयों का भी स्वाद चखा। मुझे खुशी हुई कि वह हमारी दुकान में आए। हमारा स्टाफ भी उन्हें देखकर खुश हुआ। वह यहां 25-30 मिनट तक रहे।

सिंगल कॉलम

साइकिल पर बात करते जा रहे युवक का मोबाइल लूटा

इंदौर। साइकिल पर बात करते जा रहे युवक का मोबाइल बाइक सवार झपट ले गए। तुकोगंज पुलिस ने 43 वर्षीय शेख इकबाल मकसूद निवासी काजी की चाल की शिकायत पर केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया वह 9 अप्रैल की रात 10.45 बजे राजबाड़ा से साइकिल से घर जा रहा था। रानी सती गेट के पास उसे कॉल आया तो उसने रिसीव किया, तभी पीछे से बाइक से आए दो युवकों में से पीछे बैठा लड़का मोबाइल छीन ले गया। पुलिस फुटेज के आधार पर दो संदेहियों को पकड़कर पूछताछ कर रही।

इंदौर में बिजली कंपनी के ठेकेदार को बंधक बनाकर पीटा, बेटे ने रुपये लाकर दिए तो छोड़ा

इंदौर। द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में पंचनामा बनाने को लेकर बिजली कंपनी के ठेकेदार को बंधक बना लिया। रुपये न देने पर उसकी पाइप से पिटाई की और बीस हजार रुपये भी वसूल लिए। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ बंधक बनाने और मारपीट करने के मामले में एफआइआर दर्ज कर ली है। घटना गुरुशंकर नगर गोंदवले धाम की है। फरियादी ओमप्रकाश बाबूलाल इटारे निवासी परिहार कालोनी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। आरोपित तरुण देवड़ा निवासी गोंदवले धाम कालोनी है। बिजली कंपनी के ठेकेदार ओमप्रकाश से तरुण की तीन दिन पूर्व आफिस में मुलाकात हुई थी। बिजली का पंचनामा बनाने के संबंध में चर्चा हुई थी। आरोप है कि गुरुवार को तरुण परिहार कालोनी आया और ओमप्रकाश को पंचनामा बनाने के लिए साथ ले गया। आरोपित ने घर में ही बंधक बनाया और पाइप से पीट पीटकर घायल कर दिया। आरोपित ने काफी देर तक पिटाई करने के बाद ओमप्रकाश के बेटे से 20 हजार रुपये मंगवाए और रिहा किया। मामले में रात में तरुण के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई।

हिट एंड रन का मुलजिम निकला बैंक अफसर, सीसीटीवी फुटेज देखकर देवास से पकड़ा

इंदौर। हिट एंड रन के मुलजिम को पुलिस ने पकड़ लिया है। आरोपित ने एक रैपिडो चालक की जान ली थी। पिता-पुत्रों को जख्मी कर दिया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार के नंबर निकाले और देवास से आरोपित को पकड़ लिया। लसूड़िया थाना प्रभारी तारेश सोनी के मुताबिक, विशाल सोलंकी निवासी शिखरजी धाम कालोनी बावड़िया जिला देवास है। वह निजी बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर है। पुलिस ने गुरुवार को कार सहित पकड़ लिया। देवास नाका से टक्कर मारते हुए भागा था आरोपित विशाल ने टक्कर मारने की शुरुआत देवास नाका से की। सबसे पहले बाइक सवार लालूराम और उसके बेटे करन को टक्कर मारी। दोनों को घायल छोड़कर एबी रोड़ पर भागा। महिंद्रा कार शोरूम के सामने उसने रैपिडो चालक रतन सूर्यवंशी को टक्कर मारी। रतन बुकिंग आर्डर के लिए खड़ा था। कार ने उसे करीब 20 फीट तक घसीटा। वह उछला और खंबे से टकराया। उसका हेलमेट निकल गया और सिर में गहरी चोट आई। कार वाला इसके बाद भी नहीं रुका। पुलिस ने कई जगहों के फुटेज निकाले और सफेद रंग की कार चिन्हित की। गुरुवार को उसके नंबर ढूंढकर देवास से विशाल को पकड़ लिया।

कारखाना संचालक ने की खुदकुशी

इंदौर। भागीरथपुरा के कारखाना संचालक 27 वर्षीय धूमिल वर्मा ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली।पुलिस ने मर्ग कायम किया।पति-पत्नी के मध्य विवाद चल रहा था। धूमिल की पोलोग्राउंड में ट्यूब का कारखना है। उसने प्रेम विवाह किया था।पत्नी से विवाद होने के कारण पत्नी धामनोद चली गई थी।

मिस्त्री ने जहर खाकर जान दी

इंदौर। पति-पत्नी में हुए विवाद के बाद मिस्त्री ने जहर खाकर जान दे दी। तिलकनगर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। घटना चौहाननगर की है। 45 वर्षीय घनश्याम परमार ने जहर खाया है। बुधवार शाम घनश्याम का बेटा नितिन गंभीर अवस्था में अस्पताल लेकर गया लेकिन मौत हो गई।स्वजन ने बताया घनश्याम ने पूर्व में भी आत्महत्या का प्रयास किया है।

कर्जा उतारने के लिए महिलाओं से लूटी चेन

इंदौर।चेन लूट के आरोपितों से पुलिस ने एक चेन और बाइक बरामद की है। आरोपितों ने कर्जा उतारने के लिए महिलाओं को लूटना स्वीकारा है। पुलिस अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ कर रही है। अपराध शाखा के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, लसूड़िया थाना क्षेत्र में चेन लूटने के दो आरोपित दिलीप संतोष पगारे निवासी शांति नगर मूसाखेड़ी और रवि चंद्रकुमार पाटनी निवासी देवदर्शन अपार्टमेंट टेलीफोन नगर को पकड़ा था। आरोपितों से एक बाइक और सोने की चेन बरामद हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि कर्जा उतारने के लिए चेन लूटी थी।

चैत्र में आषाढ़-सा मौसम, इंदौर में पौन घंटे में 23 मिमी वर्षा, ओले भी गिरे

गरज-चमक के साथ करीब 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से हवा चली, आज भी बारिश की संभावना

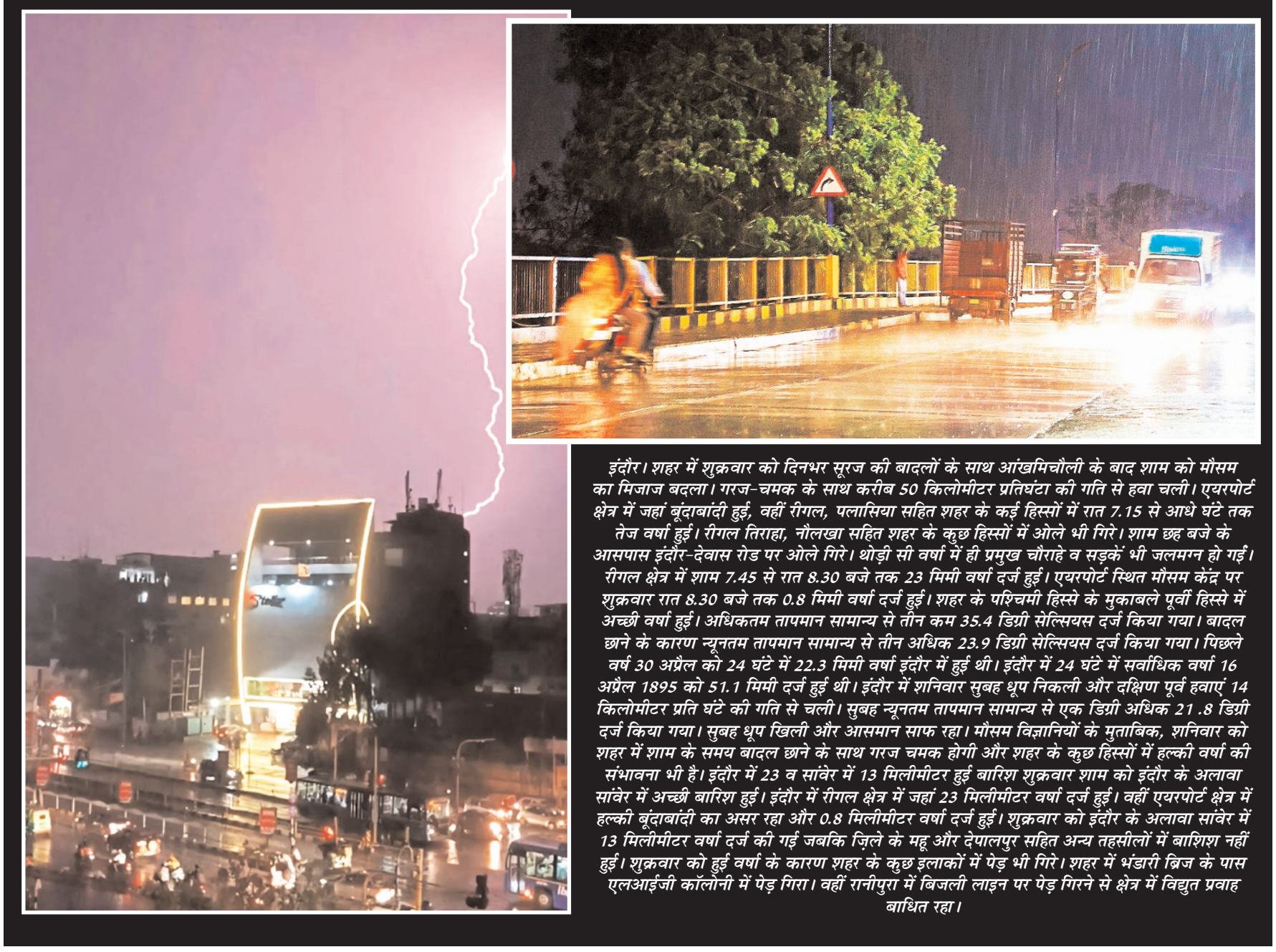

इंदौर। शहर में शुक्रवार को दिनभर सूरज की बादलों के साथ आंखमिचौली के बाद शाम को मौसम का मिजाज बदला। गरज-चमक के साथ करीब 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से हवा चली। एयरपोर्ट क्षेत्र में जहां बूंदाबांदी हुई, वहीं रीगल, पलासिया सहित शहर के कई हिस्सों में रात 7.15 से आधे घंटे तक तेज वर्षा हुई। रीगल तिराहा, नौलखा सहित शहर के कुछ हिस्सों में ओले भी गिरे। शाम छह बजे के आसपास इंदौर-देवास रोड पर ओले गिरे। थोड़ी सी वर्षा में ही प्रमुख चौराहे व सड़कें भी जलमग्न हो गईं। रीगल क्षेत्र में शाम 7.45 से रात 8.30 बजे तक 23 मिमी वर्षा दर्ज हुई। एयरपोर्ट स्थित मौसम केंद्र पर शुक्रवार रात 8.30 बजे तक 0.8 मिमी वर्षा दर्ज हुई। शहर के पश्चिमी हिस्से के मुकाबले पूर्वी हिस्से में अच्छी वर्षा हुई। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन कम 35.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बादल छाने के कारण न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन अधिक 23.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले वर्ष 30 अप्रैल को 24 घंटे में 22.3 मिमी वर्षा इंदौर में हुई थी। इंदौर में 24 घंटे में सर्वाधिक वर्षा 16 अप्रैल 1895 को 51.1 मिमी दर्ज हुई थी। इंदौर में शनिवार सुबह धूप निकली और दक्षिण पूर्व हवाएं 14 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चली। सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 21 .8 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह धूप खिली और आसमान साफ रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, शनिवार को शहर में शाम के समय बादल छाने के साथ गरज चमक होगी और शहर के कुछ हिस्सों में हल्की वर्षा की संभावना भी है। इंदौर में 23 व सांवेर में 13 मिलीमीटर हुई बारिश शुक्रवार शाम को इंदौर के अलावा सांवेर में अच्छी बारिश हुई। इंदौर में रीगल क्षेत्र में जहां 23 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई। वहीं एयरपोर्ट क्षेत्र में हल्की बूंदाबांदी का असर रहा और 0.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई। शुक्रवार को इंदौर के अलावा सांवेर में 13 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई जबकि ज़िले के महू और देपालपुर सहित अन्य तहसीलों में बाशिश नहीं हुई। शुक्रवार को हुई वर्षा के कारण शहर के कुछ इलाकों में पेड़ भी गिरे। शहर में भंडारी ब्रिज के पास एलआईजी कॉलोनी में पेड़ गिरा। वहीं रानीपुरा में बिजली लाइन पर पेड़ गिरने से क्षेत्र में विद्युत प्रवाह बाधित रहा।

पुलिसकर्मियों पर हमला कर डकैतों को छुड़ा ले गई सोमला गैंग

इंदौर। लंदन विलाज डकैती कांड के मुख्य आरोपित सोमला गैंग जोबट में पुलिसकर्मियों पर हमला कर फरार हो गई। बदमाश हीरानगर थाना क्षेत्र से जीप चुराकर ले गए थे। जीपीएस ट्रैकिंग के आधार पर पुलिसकर्मियों ने नाकाबंदी लगाई, लेकिन बदमाश पुलिसकर्मियों से ही भिड़ गए। पुलिस ने कई बार दबिश भी दी, लेकिन आरोपित फरार मिले।हीरानगर थाना के अंतर्गत लाहिया कालोनी (कबीटखेड़ी) से पिछले दिनों तूफान वाहन चोरी हुआ था। जीप में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम लगा हुआ था। जीपीएस से पता चला कि बदमाश जोबट की तरफ गए हैं। झाबुआ पुलिस को अलर्ट किया तो कालीदेवी क्षेत्र में पुलिसवालों ने गाड़ी पकड़ ली। सोमला ने कालीदेवी में ही आइओसी के मैनेजर पुष्पेंद्रसिंह की कार छोड़ी थी।बताते हैं कि बदमाश जीप रोकने वाले पुलिसकर्मियों से भिड़ गए और साथियों को छुड़वा लिया। हालांकि पुलिस ने जीप को जब्त कर लिया। जोन-3 के डीसीपी पंकज पांडे के अनुसार बदमाश बोरी थाना अंतर्गत आने वाले बड़ी कदवाल के है। ये बदमाश सोमला से जुड़े हैं कि नहीं, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन सोमला भी इसी गांव में रहता है। यहां कई गैंग सक्रिय हैं और एक-दूसरे के साथ मिलकर अपराध भी करते हैं।

बाइक चुराकर बड़ी गाड़ी चुराते हैं बदमाश- पुलिस की जांच में पता चला कि बदमाश किराये की गाड़ी लेकर शहर आते हैं। बाहरी क्षेत्र में उतर कर पहले दोपहिया वाहन की व्यवस्था करते हैं। चोरी के इसी वाहन से बड़ी गाड़ी चुराते हैं ताकि लूट-डकैती जैसी घटना को अंजाम दे सकें। पुलिस अब धार, झाबुआ, आलीराजपुर पुलिस की मदद से आरोपितों को ढूंढ रही है।

लंदन विलाज डकैती केस - आरोपित से अंगूठी जब्त- बाणगंगा पुलिस ने लंदन विलाज डकैती कांड के एक आरोपित थावरिया उर्फ राजेश से सोने की अंगूठी जब्त कर ली है। आरोपित ने पूछताछ में स्वीकारा कि डकैती में आकेश उर्फ आकाश, कलम थोगू और सोमला शामिल था। डकैती के बाद आरोपित गुजरात भागे थे। टीआइ लोकेशसिंह भदौरिया के अनुसार अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

इंदौर में फिर पुलिस ने पकड़ा आईपीएल का सट्टा, आनलाइन सट्टा लगाते तीन सटोरियों को पकड़ा

इंदौर। अपराध शाखा ने सट्टे के अड्डे पर छापा मारा है। पुलिस ने तीन सटोरियों को पकड़ा है। आरोपित आनलाइन सट्टा लगा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपित अनिल वाधवानी कुंजवन कालोनी केशरबाग रोड़, पवन महाजन मानवता नगर और शुभम मुनावत बापिया थाना महिदपुर है। पुलिस ने आरोपितों से सात मोबाइल, एक लेपटाप, कैश और करोड़ों का हिसाब बरामद किया है। आरोपित आनलाइन आइडी बनाकर सट्टा लगा रहे थे।गौरतलब है कि पिछले करीब सात दिनों में पुलिस व क्राइम ब्रांच ने कई छापामार कार्रवाई करते हुए आईपीएल क्रिकेट मैचों के सट्टे पकड़े हैं। शहर के एक होटल में आनलाइन सट्टा लगा रहे मुरैना के तीन सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया था। दो दिन पहले ही पुलिस ने सुदामा नगर के मकान से आरोपितों को पकड़ा था। जब पुलिस की कार्रवाई जारी थी, उसी समय सटोरियों को कई फोन आ रहे थे। दोनों ही मामलों में करोड़ों रुपये का सट्टा लग रहा था। हालांकि पुलिस अभी तक निचले स्तर पर ही कार्रवाई कर रही है और सरगना पहुंच से दूर विदेश में है।

इंदौर के नेहरू स्टेडियम के स्ट्रांग रूम में शिफ्ट होंगी ईवीएम

इंदौर। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा लोकसभा चुनाव की तैयारी की जा रही है। रेंडमाइजेशन के बाद मशीनों को विधानसभा अनुसार पोर्टल पर चढ़ाया जा चुका है। अब मतदान केंद्र अनुसार ईवीएम का आवंटन किया जाना है। गंजी कंपाउंड स्थित स्ट्रांग रूम से ईवीएम मशीनों को कंटेनर से नेहरू स्टेडियम के स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच शिफ्ट किया जाएगा। इंदौर जिले की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों के लिए रिजर्व सहित 2981 बैलेट यूनिट (बीयू), 2981 कंट्रोल यूनिट (सीयू) और 3228 वीवीपेट का आवंटन किया गया है। इंदौर जिले की नौ विधानसभा सीटों में 2677 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र रघुवंशी का कहना है कि प्रोटोकाल के तहत मशीनों को स्थानांतरित कराया जाएगा। इसके लिए नौ कंटेनर की व्यवस्था की गई है। हर विधानसभा की मशीनें एक-एक कंटेनर में एकसाथ स्थानांतरित की जाएंगी।

विधानसभा क्षेत्र बूथ बीयू सीयू ईवीएम

देपालपुर	285	332	332 360
इंदौर-1	330	374	374 405
इंदौर-2	314	355	355 384
इंदौर-3	194	231	231 250
इंदौर-4	215	253	253 274
इंदौर-5	391	409	409 443
महू	280	312	312 338
राऊ	344	349	349 378
सांवेर	324	366	366 396
कुल	2677	2981	2981 3228

स्ट्रांग रूम में बदलाव

विधानसभा चुनाव के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों के स्ट्रांग रूम छोटे बन गए थे। इसलिए मशीनों को रखने और निकालने में देरी हुई। इस बार प्रशासन ने अधिक मतदान वाली विधानसभाओं को बड़े कक्षों में स्थानांतरित कर दिया है। विधानसभा क्षेत्र इंदौर-5 में सर्वाधिक मतदान केंद्र होने से विधानसभा क्षेत्र इंदौर-5 के स्ट्रांग रूम से बला गया है। वहीं राऊ और महू के साथ भी अपनाई गई है। हालांकि महू के मतदाता धार लोकसभा के प्रत्याशी के लिए मतदान करेंगे, लेकिन व्यवस्था का जिम्मा इंदौर प्रशासन के जिम्मे है।

बैरागढ़ में बेमौसम बारिश ने बिगाड़े हालात, सांस्कृतिक कार्यक्रम करना पड़ा निरस्त, अब आज होगा

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल। संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में वर्षा शुरू होते ही बिजली गुल हो रही है। हाल के दिनों में कई बार ऐसा हुआ है। बेमौसम वर्षा में ही यह हालात हैं। बार-बार बिजली गुल होने से बिजली कंपनी के ग्रीष्मकालीन लाइनों के रखरखाव पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सिंधु नव जागरण समिति ने वर्षा के कारण गुरुवार देर रात को सांस्कृतिक कार्यक्रम निरस्त कर दिया। यह कार्यक्रम अब आज 13 अप्रैल को शाम सात बजे नंदवानी आडिटोरियम में होगा। शुक्रवार रात को अचानक हुई तेज वर्षा से सड़कें कीचड़ से सराबोर हो गई। करीब एक घंटे तक हुई वर्षा के साथ ही पूरे नगर की बिजली गुल हो गई। सामाजिक संस्था सिंधु नव जागरण समिति ने साधु वासवानी स्कूल मैदान पर चैतीचांद के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया था। वर्षा के कारण मैदान पर पानी भर गया। समिति ने देर रात को कार्यक्रम निरस्त करने की घोषणा की। वर्षा से इवेंट मैनेजमेंट कंपनी का सामान खराब हो गया। कुछ इलेक्ट्रानिक उपकरण भी खराब हो गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद भंडारा होना था। समिति ने भोजन निचली बस्तियों में वितरित किया।

सड़कें कीचड़ से सराबोर

वर्षा से सड़कें कीचड़ से सराबोर हो गई हैं। आदर्श मार्ग के दूसरे हिस्से में पानी जमा हो गया। इस हिस्से में पानी की निकासी एक ही तरफ है। चंचल रोड, पंजाब नेशनल बैंक रोड, निरंकारी मंडल रोड का कुछ हिस्सा, गिदवानी पार्क के आसपास, डा. भंभानी अस्पताल रोड पर पानी जमा हो गया है। राजावीर मंदिर रोड पर भी गड्ढों में पानी भरा है। आसपास के गांवों में वर्षा के साथ ओले गिरने की भी खबर है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जंगल में मिला शव

सिटी चीफ भोपाल

शहर के अशोका गार्डन थाना इलाके में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इलाके से सटे जंगल में युवक का शव बरामद हुआ। उसके गले में दुपट्टा का फंदा बंधा हुआ था। जबकि दुपट्टे का आधा टुकड़ा पेड़ पर लटका हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायमी के बाद छानबीन शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पुलिस को मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। पोस्टमार्टम के बाद युवक का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

सफाईकर्मी था मृतक

अशोकागार्डन पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गायत्री नगर बस्ती में रहने वाला प्रवीण मैना सफाई कर्मी था। वह एक निजी कालोनी में साफ-सफाई का काम करता था। उसका घर जंगल से लगा है। शुक्रवार सुबह उसका सुबह जंगल में पेड़ के बबूल के पेड़ के नीचे मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मौका मुआयना किया। मृतक के गले में फंदा बंधा था और दुपट्टे का दूसरा हिस्सा पेड़ पर लटका हुआ था।

गुरुवार रात घर से निकला था

प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को पता चला कि युवक गुरुवार रात को अपने घर से निकला था। शराब पीकर आने की वजह से उसका अपनी पत्नी से झगड़ा हो गया था। जब वह सुबह तक घर नहीं पहुंचा तो स्वजन ने उसकी खोजबीन शुरू की। पुलिस के मुताबिक प्रथमदृष्टया यह खुदकुशी का मामला लग रहा है। युवक ने दुपट्टे का फंदा बनाकर खुद को पेड़ से लटकाया होगा। गुरुवार की रात हुई बारिश व तेज हवाओं के कारण दुपट्टे का फन्दा टूट गया। पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतजार है, उसके बाद ही युवक की मौत की असल वजह स्पष्ट हो सकेगी।

भोपाल की मधु थामस को अमेरिका में मिला बेस्ट टीचर का खिताब

भारतीय ज्ञान और कौशल का एक बार फिर विश्व स्तर पर सम्मान हुआ है। इस बार मान का यह मुकुट मधु थामस के मस्तक पर सुशोभित हुआ है, जो पेशे से शिक्षक हैं। हाल ही में फ्लोरिडा स्टेट टीचर आफ द ईयर अवार्ड-2024 के लिए मधु का चयन हुआ। अमेरिका में यह सम्मान पाने वाली वे भारत की पहली शिक्षिका हैं।यहां पर यह बता दें कि मधु थामस भोपाल में पली-बढ़ी हैं। सेंट जोसेफ कांवेंट स्कूल और बरकउल्ला विश्वविद्यालय में उन्होंने पढ़ाई पूरी की। इसके अलावा उन्होंने राधाकृष्णन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उन्होंने बतौर विज्ञान शिक्षिका के रूप में सेवाएं दी। 21 वर्ष पहले उनका चयन अमेरिकन इंस्टीट्यूट आफ केमिकल इंजीनियर्स के लिए हुआ। अपने लंबे कार्यकाल में मधु ने विज्ञान शिक्षा के अभिनव प्रयोग, अनुशासन, विद्यार्थियों के मनोविज्ञान और बेहतर व्यक्तित्व के निर्माण के लिए एक कर्त्तव्यनिष्ठ शिक्षिका का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी उपलब्धियों और संस्थागत प्रतिबद्धता को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें स्टेट टीचर आफ द ईयर के लिए चुना गया।

गत नौ अप्रैल को अमेरिका में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मान पट्टिका और स्मृति चिह्न भेंट कर मधु को पुरस्कृत किया गया। उल्लेखनीय है कि अमेरिकन इंस्टीट्यूट आफ केमिकल इंजीनियर्स की स्थापना वर्ष 1908 में की गई थी। दुनिया भर के 110 देशों के साठ हजार से भी अधिक पेशेवर इंजीनियर्स और शोधार्थी वहां काम करते हैं।

शाहपुरा डकैती मामले में छिंदवाड़ा से दो बदमाश गिरफ्तार पुलिस ने घटनास्थल ले जाकर किया मुआयना

सिटी चीफ भोपाल

शाहपुरा के बी सेक्टर में किसान के घर में से 50 लाख रुपये और सोने के आभूषणों की लूटपाट करने वाले पांच डकैतों के बाद पुलिस ने दो और डकैतों को छिंदवाड़ा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ शुरू कर दी है। उनके तीन और साथी फरार हैं। उन्हें गिरफ्तार के बाद पुलिस इस मामले में नया खुलासा कर सकती है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों को लेकर पीडित परिवार के घर पहुंचकर उनको घटनास्थल पर घुमाया, साक्ष्य जुटाए और घटना के दिन की पूरी जानकारी एकित्रत की। इस मामले में पुलिस पुलिस लूटे गए आभूषण अब भी बरामद नहीं कर पाई है।

यह है मामला

हम बता दें कि बी सेक्टर शाहपुरा में रहने वाले ज्ञानेंद्र सिंह के घर पर सोमवार रात में कुछ हथियारबंद डकैतों ने घुसकर 50 लाख के करीब रुपये और सोने व हीरे के आभूषण लूटकर फरार हो गए थे। इस साजिश में पीडित परिवार को कार चालक लक्ष्मण सिंह कीर और नाबालिग नौकर भी शामिल था। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपितों की गिरफ्तारी की थी और उसके बाद में पूछताछ में पांच और डकैतों की जानकारी मिली। इस पर चार टीमों ने गुरुवार देर रात छिंदवाड़ा से दो और आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनके तीन साथी की अभी भी तलाश जारी है।

घटनास्थल पर लेकर पहुंची पुलिस

पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार डकैतों को लेकर शाहपुरा के बी सेक्टर के मकान पर पहुंची और आरोपितों को घटना स्थल दिखाया और घटना के दिन का पूरा विवरण पूछा। आरोपितों ने किस तरह से मकान में अंदर गए और किस तरह से वारदात की। इस पूरे प्रकरण की वीडियोग्राफी भी की गई।

कांग्रेस सिर्फ बातें करती रही, मोदी सरकार ने दिया बाबासाहब को सम्मान : रामदास आठवले

सिटी चीफ भोपाल

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री तथा रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के अध्यक्ष रामदास आठवले ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ बातें करती है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब आंबेडकर को वास्तव में सम्मान दिया है। आठवले ने शुक्रवार को यह बात भाजपा मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया सभी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देगी। इस बार लोकसभा चुनाव में छिंदवाड़ा सहित मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों पर भाजपा जीत हासिल करेगी और देश में अबकी बार, 400 पार का नारा साकार होगा। लोकतंत्र नहीं, कांग्रेस व इंडी गठबंधन खतरे में केंद्रीय मंत्री आठवले ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और आइएनडीआइ गठबंधन के पास कोई दूसरा विषय नहीं है, इसलिए वो बोलते हैं कि देश का लोकतंत्र खतरे में है। प्रधानमंत्री मोदी लोकतांत्रिक तरीके से देश को चला रहे हैं। लोकतंत्र नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी और आइएनडीआइए गठबंधन खतरे में है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के लोग मोदी के बारे में उल्टी-सीधी बातें बोलते हैं, गालियां देते रहते हैं, लेकिन ये मोदी को जितनी गालियां देंगे, उनके वोट उतने ही बढ़ते हैं। आठवले ने कहा कि 2019 में कांग्रेस ने राफेल विमान खरीदी के नाम पर बखेड़ा किया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने यह साफ कर दिया था कि राफेल खरीदी में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ। इसके बाद राहुल गांधी को माफी मांगनी पड़ी थी। ईडी, सीबीआइ का दुरुपयोग नहीं आठवले ने कहा कि कांग्रेस और आइएनडीआइए गठबंधन के लोग ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाती हैं, जो गलत है। ईडी हो या सीबीआई ये सभी संवैधानिक संस्थाएं हैं और ये नियम-कानून के हिसाब से चलती हैं, भारतीय जनता पार्टी के हिसाब नहीं। उन्होंने कहा कि चाहे हेमंत सोरेन हों या अरविंद केजरीवाल हों, इनके खिलाफ सरकारी एजेंसियों के पास पर्याप्त सबूत हैं, जिसके आधार पर इनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्षी नेताओं को यह लगता है कि वो गलत नहीं हैं, तो वे कोर्ट जाएं, कोर्ट उनकी बात सुनेगा। इन नेताओं को न्यायपालिका पर विश्वास है या नहीं।

एक महीने में जब्त किए 59 लाख नकदी और 57 लाख की अवैध शराब

सिटी चीफ भोपाल

लोकसभा चुनाव के दौरान भोपाल संसदीय क्षेत्र में 16 मार्च से आचार संहिता प्रभावशील है। इसके बाद से निर्वाचन आयोग द्वारा तय किए गए नियमों का सभी को पालन करना आवश्यक है।साथ ही जिला प्रशासन, पुलिस, आबकारी विभाग, एफएसटी (फ्लाइंग स्क्वाड टीम),एसएसटी (स्टेटिक सर्विलांस टीम) दलों द्वारा निरंतर वाहनों की तलाशी,ढाबा, रेस्टोरेंट, होटल आदि पर छापे सहित अन्य कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई के दौरान दलों ने कुल एक करोड़ 24 लाख से अधिक मूल्य की अवैध शराब,नशीला पदार्थ, मुफ्त उपहार और नकदी रुपये जब्त किए हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान भोपाल पुलिस द्वारा सख्ती से तलाशी और छापामार कार्रवाई की जा रही है। जिले में पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए कुल 93 लाख नौ हजार 856 रुपये की सामग्री जब्त की है। इसमें भोपाल शहर पुलिस दलों के द्वारा 52 लाख 50 हजार रुपये नकद, 15 लाख 15 हजार 940 की अवैध शराब, पांच लाख 11 हजार 900 के नशीले पदार्थ सहित कुल 72 लाख 77 हजार 840 रुपये की जब्ती की है। तो वहीं देहात पुलिस दल द्वारा छह लाख रुपये नकदी, 13 लाख 25 हजार 16 रुपये की अवैध शराब, एक लाख सात हजार रुपये के नशीले पदार्थ सहि कुल 20 लाख 32 हजार 16 रुपये की सामग्री जब्त की है।

एफडी घोटाला मामले में आरजीपीवी पहुंची एसआइटी, सुनील कुमार को कुलपति बनाने नियमों को किया था दरकिनार

सिटी चीफ भोपाल

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में 19.48 करोड़ रुपये का एफडी घोटाला मामले में तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर सुनील कुमार गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद विवि में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों में डर व्याप्त है। शुक्रवार को एसआइटी की टीम तीन घंटे तक विवि में वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा व कुलसचिव आरएस राजपूत के खिलाफ सबूत जुटाती रही। मामले में 10 से अधिक कर्मचारियों व अधिकारियों से पूछताछ की गई है। इस मामले में वर्तमान कुलसचिव मोहन सेन से अन्य दस्तावेज मांगें गए। दूसरी बार कुलपति बने थे प्रो. कुमार प्रो. सुनील कुमार गुप्ता का विवि में बतौर कुलपति यह दूसरा कार्यकाल था। वे साल 2017 में पहली बार कुलपति बने थे। उस समय उन्हें रीवा इंजीनियरिंग कालेज में प्रोफेसर बने करीब साढ़े सात साल ही हुए थे, जबकि कुलपति पात्रता के लिए नियमानुसार बतौर प्रोफेसर 10 साल का अनुभव अनिवार्य है। तब भी प्रो. कुमार को कुलपति बनाया गया। राजभवन द्वारा कुलपति के चयन के लिए गठित पहली सर्च कमेटी ने उनके नाम को पैनल में शामिल नहीं किया था। जिसके तत्काल बाद एक अन्य सर्च कमेटी गठित कर दी गई, जिसने प्रो. कुमार के नाम को चयनित पैनल में रखा और उन्हें कुलपति बनाया गया। तब भी प्रो. कुमार की नियुक्ति पर पात्रता को लेकर सवाल उठे थे। फिर से 2021 में उन्हें कुलपति नियुक्त किया गया। इसके बाद करीब साढ़े छह साल का कार्यकाल काफी विवादित रहा। विवि में करीब 50 से अधिक रैगिंग की घटनाओं के साथ-साथ कोविड काल में साफ्टवेयर खरीदी घोटाला,करियर एडवांसमेंट स्कीम में गड़बड़झाला,फर्नीचर सहित निर्माण कार्यों में 170 करोड़ रुपये का घोटाले सामने आए ।

राजपूत को प्रो. कुमार ने बनाया था प्रोफेसर

विवि के अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1990-91 में प्रो. सुनील कुमार और एफडी घोटाले के सहआरोपित तत्कालीन कुलसचिव आरएस राजपूत की पहली नियुक्ति सागर इंजीनियरिंग कालेज में बतौर सहायक प्राध्यापक और प्रोफेसर के पद पर हुई थी। जब प्रोफेसर बनाने के लिए समिति गठित हुई तो उसमें प्रो. कुमार भी सदस्य के रूप में शामिल थे। उन्होंने ही राजपूत को पदोन्नति देकर प्रोफेसर बनाया था ।इसके बाद दोनों सागर से रीवा इंजीनियरिंग कालेज आ गए। इसके बाद प्रो. कुमार 2017 से आरजीपीवी के कुलपति रहे। दोनों ने मिलकर करोड़ों रुपये का घोटाला किया ।

भोपाल लोकसभा सीट से हर बार 10 से ज्यादा प्रत्याशी मैदान में, 1996 के चुनाव में 43 की हुई थी जमानत जब्त

1989 से भोपाल लोकसभा सीट पर भाजपा का गढ़ है। 1989 में भाजपा के सुशील चंद्र वर्मा ने इस सीट पर अपना कब्जा किया। इससे पहले इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा था, लेकिन शुरू से ही यहां आमने-सामने की टक्कर रही। पहले कांग्रेस की टक्कर जन संघ और फिर जनता दल से था। बाद में यह मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच रहा। ये मुकाबला हमेशा सीधा-सीधा रहा। अब भी मुकाबला आमने-सा मने का ही है, लेकिन इस मुकाबले में कांग्रेस लगातार पिछड़ती जा रही है और भाजपा मजबूत होती जा रही है। इसके बाद भी कई पार्टी और निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में भाग्य आजमाने उतरते हैं। हर बार इन प्रत्याशियों की जमानत जब्त होती है, लेकिन वे मैदान में उतरते हैं और मुकाबला करते हैं। हर साल भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों को छोड़कर सबकी जमानत जब्त हो जाती है। पर कुछ चुनाव ऐसे भी हुए जब 43 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई। हर बार 10 से ज्यादा ही प्रत्याशी मैदान में भोपाल लोकसभा सीट पर हर बार 10 से ज्यादा ही प्रत्याशी मैदान में होते हैं। जिनमें से दो को छोड़कर सबकी जमानत जब्त हो जाती है, लेकिन 1989, 1991 और 1996 के चुनाव में 36 से 43 प्रत्याशी तक मैदान में उतरे और इन प्रत्याशियों में से सिर्फ सात प्रत्याशी ही जमानत बचा पाए। बाकि 111 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। इस दौरान कई प्रत्याशियों को 100 के आस-पास मत मिले। ये क्रम लगातार 1989, 1991 और 1996 तक जारी रहा। इसके बाद भी प्रत्याशी भाग्य आजमाते रहे। 1889 में हुई 36 की जमानत जब्त 1989 का चुनाव भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनाव था। इस चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस के कायस्थ प्रत्याशी केएल प्रधान जो सांसद थे। उनके सामने कायस्थ समाज के ही सुशील चंद्र वर्मा को मैदान में उतारा जिन्होंने पहली बार भाजपा के लिए यह सीट जीती और लगातार चार चुनाव में इस सीट पर भाजपा को जीत दिलाई। इस चुनाव में 39 प्रत्याशी मैदान में थे। और कुल 11 लाख 20 हजार 927 मतदाता थे। जिनमें से छह लाख 17 हजार 985 मतदाताओं ने मतदान किए, लेकिन छह लाख पांच हजार 605 मत ही मान्य हुए। बाकि निरस्त हो गए। इनमें से दो लाख 81 हजार 169 वोट सुशील चंद्र वर्मा को मिले। एक लाख 77 हजार 515 वोट एनके प्रधान को मिले। साथ ही रऊफ खान को 97 हजार 886 वोट मिले। यही तीन अपनी जमानत बचा पाए। वहीं 36 की जमानत जब्त हो गई। जिन्हें 7784 से 197 तक मत मिले। 1991 में हुई 34 की जमानत जब्त 1991 के चुनाव म फिर भाजपा ने भोपाल सीट पर जीत दर्ज कराई। इस बार सुशील चंद्र वर्मा के सामने भोपाल नवाब परिवार के मनसूर अली खान पटोदी थे।

सम्पादकीय

क्या है राम की संस्कृति और संस्कृति के राम

विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक भारतीय संस्कृति भारत देश के शीश का मुकुट है। भारतीय जनमानस की यह एक अमूल्य निधि है, भारत की माटी का यह गौरव है। भारतीय संस्कृति के आयाम - धर्म, दर्शन, साहित्य, संगीत आदि में एक नाम, जिसके स्मरण मात्र से अंतस में जिजीविषा, धैर्य एवं साहस का प्रस्फुटन होता है, जीवनदायी शक्ति प्राप्त होती है, वह है- राम। राम भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं, नैतिक मूल्यों के प्राण हैं, मानवता के अधिष्ठाता हैं। वास्तविक अर्थ में राम ही समूची संस्कृति हैं। राम की संस्कृति से आशय भारतीय संस्कृति से है। राम भारतीय संस्कृति के वे सूर्य हैं, जिन्होंने पूरे राष्ट्र को दिशा-दिगंत अपने आदर्श गुणों की रश्मि से दैदीप्यमान किया है। राम का चरित्र एक ऐसा चरित्र है जो जीवन का पथ प्रदर्शक है, दिग्दर्शक है। हमें राम की संस्कृति मन, वचन, कर्म से जीवन के प्रत्येक क्षण में ग्रहण करने की आवश्यकता है ताकि हर ओर राम राज्य व्याप्त हो। आइए राम की संस्कृति को जानें और यदि हो सके तो उसका अनुकरण भी करें।

पिता से प्रेम- *रघुकुल शिरोमणि राम यदि चाहते तो वनवास नहीं भी जाते। उन्हें वनवास हेतु कोई बाध्य भी नहीं कर सकता था और फिर पिता भी तो यही चाहते थे कि वे वन को न जाएँ परंतु पिता द्वारा अपनी विमाता को दिए गए वचन का मान रखने हेतु वे सारा राजसी वैभव त्यागकर वन जाने के लिए सहर्ष ही तैयार हो गए। कल्पना कीजिए, क्या कोई सहज ही अपने राजमहल को छोड़कर वल्कल वस्त्र धारण कर जंगल की पर्णकुटी में 14 वर्षों तक रह सकता है केवल इसलिए कि पिता का वचन झूठा न हो? पिता का मस्तक ऊँचा रखने वाले, पिता के लिए अपने सुखों का त्याग करने वाले एक आदर्श पुत्र की यह छवि केवल राम के चरित्र में दृष्टिगत होती है। प्रत्येक देश, काल, परिस्थिति में प्रत्येक व्यक्ति को सत्ता की लालसा रही है और इसे पाने के लिए उसका अभिलाषी मन जब- तब विद्रोह पर भी उतरा है। इतिहास हमें बताता है कि मुगलकाल में सत्ता पाने के लिए औरंगजेब ने अपने ही सगे भाई दारा शिकोह की हत्या करवा दी और अपने पिता शाहजहाँ को बंदी बना लिया। यहाँ तक कि सम्राट अशोक के बारे में भी यही कथन है कि उसने भी सिंहासन पाने के लिए अपने भाइयों की हत्या की। सत्ता की चाह में कुछ भी कर जाने वालों के लिए राम एक दृष्टांत हैं। इस स्थिति से अवगत होने पर भी कि अयोध्या में अब उनके स्थान पर भाई भरत का राज्याभिषेक होगा और राम को पूरे चौदह वर्ष का वनवास भोगना होगा, वे तटस्थ ही रहे और भरत के प्रति उनके मन में तनिक भी ईर्ष्या, द्वेष नहीं जागा। उनका यह गुण भ्रातृ-प्रेम, भाईचारे का एक सशक्त उदाहरण है जो महर्षि वाल्मीकि की रामायण, तुलसी की मानस के अतिरिक्त अन्यत्र कहीं नहीं मिलेगा। (अन्य भाषाओं में रचित रामायण व राम पर आधारित रचना- ग्रन्थों में भी)*

पत्नी से प्रेम- *राम एक आदर्श पति की संकल्पना हैं जिन्होंने अपनी पत्नी सीता से आजीवन प्रेम किया और अपने पति के धर्म को निष्ठापूर्वक निभाया। अपने पूरे जीवनकाल में उन्होंने पत्नी सीता के समकक्ष किसी को भी स्थान नहीं दिया। वर्तमान समाज में वैवाहिक संस्था के विखंडन और विवाह जैसे पवित्र बंधन को एक हँसी- खेल बना दिए जाने की स्थिति में राम एक अपवाद हैं। सीता का हरण होने पर राम उनकी खोज में व्याकुल होकर वन- वन भटकते रहे, उनका पता मिलने पर सौ योजन के अथाह सागर पर सेतु बनाया, रावण से युद्ध लड़ा और अंततः उन्हें पुनः पाया। अयोध्या आने पर सीता के परित्याग के समय राम के सामने दूसरे विवाह का भी विकल्प था, यदि वे चाहते। वे राजा थे, ऐसा करना उनके लिए कोई कठिन कार्य नहीं था परंतु उन्होंने आजीवन सीता के सिवाय अपनी पत्नी के रूप में किसी और की अपने स्वप्न में भी कल्पना नहीं की। आज पत्नी के घर में रहते हुए ही श्रीमान पति बिन बताए बाहर जाकर भारतीय हिन्दी सिनेमा से प्रेरित होकर निर्देशक डेविड धवन की फिल्म बीबी नम्बर वन का रीमेक बना लेते हैं या शादी में इतना भरपूर दहेज न मिल सका, जिससे उनका जीवन सुख- सुविधापूर्ण हो जाता तो तलाक देकर दूसरा विवाह पलक झपकते ही कर लेते हैं या फिर अपने हक के लिए लड़ रही पत्नी को ही रास्ते से हटा देने में जरा भी हिचकते नहीं। ऐसी मानसिकता से ग्रसित व्यक्तियों को राम का मनन करके अपनी सोच पर घड़ों पानी डालना चाहिए। राम का स्त्री दृष्टिकोण महान है। आज अपने आस-पास देखने पर हम पाते हैं कि स्त्रियों के प्रति समाज का दृष्टिकोण कितना ओछा है? हमारी बहन- बेटियाँ आज असुरक्षा की भावना से घिरी हुई हैं। उनके साथ शोषण, बलात्कार जैसी वीभत्स घटनाएँ हो रही हैं, जो हृदय विदारक हैं। यदि समाज राम के इस गुण का अनुपालन करे तो सचमुच राम राज्य आ जाएगा। राम ने अपने पूरे जीवन काल में अपनी पत्नी सीता के अतिरिक्त किसी अन्य स्त्री को आँख उठाकर नहीं देखा। नारी सम्मान के प्रति वे सदैव संकल्पबद्ध रहे। नारी के उद्धार के लिए वे प्रति पल प्रतिबद्ध रहे, अहिल्या का प्रसंग ये इंगित करता है।समाज में होने वाले जातिगत भेदभाव, ऊँच- नीच के भेदभाव से हम सब सभी भली- भाँति परिचित हैं। भारतीय सामाजिक व्यवस्था में यह एक बहुत बड़ा अवरोध है। राम सामाजिक एकता, सामाजिक सौहार्द व आपसी सद्भाव का संदेश हमें शबरी के पास जाकर और उनके जूठे बेर खाकर देते हैं। राम का भील जाति की शबरी की कुटिया में जाना इस बात का प्रमाण है कि कोई मनुष्य छोटा- बड़ा नहीं, सब एक बराबर हैं। हमें हर एक प्राणी के लिए अपने हृदय में समता का भाव रखना चाहिए। राज-पाट के मोह में किए गए कितने ही प्रपंच विगत के पन्नों पर अंकित हैं परंतु राम- से राजा केवल राम ही हैं। राम ने आदर्श राजा का वह चरित्र हमारे समक्ष प्रस्तुत किया, जिसने रामराज्य की स्थापना की। रामराज्य की अवधारणा एक आदर्श शासन की अवधारणा है जो राज्य की खुशहाली का प्रतीक है। राम वह राजा हैं, जिनके लिए प्रजा का सुख ही सर्वोपरि है, अन्य कुछ नहीं और इसके लिए समय आने पर वे अपनी जीवनसंगिनी सीता जो कि पौराणिक ग्रंथों के अनुसार उस समय गर्भवती थीं, उन तक का परित्याग कर देते हैं। इस बात पर कहीं-कहीं विद्वज्जन राम को कटघरे में भी खड़ा कर देते हैं। सर्वप्रथम तो यह कि राम कोई साधारण प्राणी नहीं अपितु भगवान विष्णु के अवतार थे। स्वाभाविक है कि उन्हें सीता (जो कि स्वयं माँ लक्ष्मी का अवतार थीं) की वस्तुस्थिति ज्ञात थी परंतु उन्होंने प्रजा के हित में निर्णय लिया। राम वास्तव में लोकतंत्र की सच्ची परिभाषा हैं। निस्संदेह सीता का परित्याग एक सामान्य घटना नहीं है। इस पर रोष होना आम बात है। यहाँ इस पर भी ध्यान देना आवश्यक है कि राम ईश्वर के अवतारी थे। जो ईश्वर की लीला जानता है, वही समझ सकता है कि राम के अवतार में ईश्वर की यह लीला इस बात का संकेत है कि एक राजा के रूप में राज्य के सुख- चैन के लिए यदि अपना सर्वस्व भी दाँव पर लगाना पड़े तो भी पीछे नहीं हटना चाहिए।*

पूरे जगत से प्रेम *राम की संस्कृति में जीव-प्रेम, जीव-दया का भी विशेष महत्व है। राम जीव- प्रेम, जीव- दया के पर्याय हैं। वनवासी जीवन में उनका पशु- पक्षियों से मित्रवत व्यवहार रहा। वे सीता के रावण द्वारा हरण कर लिए जाने की घटना के समय वन में विचरण करने वाले खग- मृग से अपना दुख साझा करते हैं। जटायु द्वारा सीता को बचाने के प्रयास में घायल होने पर घायल जटायु को अपनी गोद में रखकर उसकी सेवा- सुश्रुषा करते हैं। जटायु के उनकी गोद में प्राण त्याग देने पर पिता समझकर उसका अंतिम संस्कार व पिंडदान करते हैं। सेतु निर्माण के दौरान एक गिलहरी द्वारा अपने शरीर पर अपनी सामर्थ्य अनुसार समुद्र की रेत को चिपकाकर सेतु पर जाकर झाड़ देने के कार्य का सम्मान कर राम ने उसकी पीठ पर हाथ फेरकर अपना आशीष दिया। यह प्रसंग इस बात का द्योतक है कि हमें हर एक के अपनी सामर्थ्य से किए गए सहयोग के प्रति आदर भाव रखना चाहिए। उनकी सेना वानर सेना थी तथा पक्षीकुल के अनेक जीवों की सहभागिता से उन्होंने लंका पर चढ़ाई की और विजय पाई। राम की संस्कृति में उनके लोक नायक होने का साक्ष्य मिलता है। राम में नेतृत्व का अद्भुत कौशल था। उनमें प्रबंधन की योग्यता थी। अपने मित्रगणों पर प्रेम, विश्वास व यथास्थिति उन्हें नेतृत्व का अवसर प्रदान कर उन्होंने सौ योजन का समुद्र पार कर लंका विजय प्राप्त की।*

बाबासाहेब की स्त्री सशक्तिकरण की परिकल्पना और समाज को योगदान

डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर,बाबासाहेब के नाम से लोकप्रिय थे। बाबा साहेब की दृष्टि कार्य और प्रवचन एक ऐसे समाज में आवश्यक परिवर्तनों के अनुरूप थे जो सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता से वंचित था। ब्रिटश औपनिवेशिक शासन से संघर्ष कर रहा था। बाबासाहेब अपने समय के लिए ही बने व्यक्ति थे। डॉ. अम्बेडकर सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी में दृढ़ विश्वास रखते थे। 1942 में नागपुर में अखिल भारतीय वंचित वर्ग महिला सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी समुदाय की प्रगति को, उस समाज की महिलाओं की प्रगति से मापा जा सकता है।

बाबासाहेब की लोकप्रियता इतनी थी कि उस सम्मलेन में उन्हें सुनने के लिए इतनी भीड़ उमड़ पड़ी कि उन्हें स्त्री-पुरुष को अलग-अलग संबोधित करना पड़ा। 75,000 से अधिक दर्शकों में पचीस प्रतिशत महिलाएं थीं। बाबा साहेब का वैचारिक संसार और जीवन बाबासाहेब आधुनिक भारत की अंतरात्मा के रक्षक थे। उनकी प्रज्ञा और बौद्धिक सामर्थ का अवलोकन विविध विषयों पर लेखनी और निपुणता - अर्थशात्र , न्याय, राजनीति, समाज सुधार और श्रम कानून पर लिखी पुस्तकों से मापा जा सकता है। हालांकि उन्हें आमतौर पर समाज के हाशिए पर खड़े दलित समुदाय के नेता के रूप में माना जाता है और इसमें कोई दो राय नहीं है कि समाज की बुराइयों से लड़ने में उनका योगदान किसी से कम नहीं है पर महिला केंद्रित विषय और लैंगिक विमर्श को प्रभावी रूप से खड़ा करने में उनके अपार योगदान को पहचान दी जानी चाहिए। 1931 में लंदन में आयोजित गोलमेज सम्मेलन के दूसरे सत्र में भाग लेने के लिए जाने से पहले बाबासाहेब ने दर्शकों का हिस्सा रही महिलाओं को समाज में सभी परीक्षणों और विवादों को दूर करने और मनोरंजन के उद्देश्य से महिलाओं को भोग की वास्तु मानने के खिलाफ लड़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए एक उत्साही भाषण दिया। कई बार उन्होंने ऐसी सभाओं को संबोधित किया जहां बॉम्बे के रेड लाइट एरिया कमाठीपुरा से संबंधित महिलाएं भाग लेती थीं, जहां उन्होंने उनसे अपमानजनक जीवन छोड़ने का आग्रह किया। बीसवीं शताब्दी के पहले भाग में बाबासाहेब एक सामाजिक क्रांतिकारी के रूप में देखे जाते थे। उनका प्रभाव इस हद तक था कि जब 1945 में बॉम्बे (मुंबई) में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति महासंघ की बैठक आयोजित की गई थी, तो 50000 से अधिक लोग जिनमें 5,000 महिलाएं भी शामिल थीं और उन्हें सुनने के लिए प्रति व्यक्ति 1 रुपये का भुगतान करके आए।

बाबासाहेब अम्बेडकर महिलाओं को शिक्षित करने के दृढ़ समर्थक थे और उनके योगदान ने देश में कामकाजी महिलाओं के अधिकारों को आकार दिया। बाबासाहेब के अथक प्रयासों के कारण 1929 में बॉम्बे विधान परिषद में पहली बार प्रसूति लाभ अधिनियम पारित किया गया।

उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि राष्ट्र के हित में, मां को प्रसव के पूर्व अवधि के दौरान और बाद में भी आराम मिलना चाहिए। फलस्वरूप, मद्रास प्रांत और अन्य प्रांतों ने भी प्रसूति लाभ अधिनियम पारित किया।

गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में श्रम मंत्री के रूप में, बाबासाहेब ने 1941 में देशभर में कोयला और अन्य खनिज की खदानों में मातृत्व लाभ अधिनियम पेश किया, जिसके तहत खदान में काम करने वाली महिला को 8 आना प्रति दिन की दर से 8 सप्ताह की अवधि के लिए मातृत्व लाभ दिया गया और अवहेलना करने वालों पर 500 रुपये का भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान रखा गया। अम्बेडकर स्वतंत्रता-पूर्व भारत में महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर एक अग्रणी आवाज थे। वह परिवार नियोजन, महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति मुखर थे और बाल विवाह, विवाह की आयु और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और जनसंख्या नियंत्रण का मुखर समर्थन करते थे। उन्होंने बॉम्बे विधानमंडल में जनसंख्या नियंत्रण विधेयक पेश किया और सरकार से जनता को शिक्षित करने और जनसंख्या नियंत्रण के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने की सिफारिश की, लेकिन वह उस समय के राजनीतिक दलों से समर्थन हासिल करने में विफल रहे। बाबा साहेब का राष्ट्र को योगदान भारतीय समाज के लिए बाबासाहेब के सबसे महत्वपूर्ण योगदानों में से एक हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं के कानूनी अधिकारों की पहल थी। बाबा साहब सिर्फ वर्ग विशेष के नेता न होकर पूरे हिन्दू समाज के प्रति हितकारी कदम उठाने की वकालत करते हैं। आज के कुछ नवबौद्धवादी उनकी हिन्दू हितैषी सोच को दरकिनार करते हैं जबकि उन्होंने पूरे जीवन काल में ना सिर्फ वंचितों बल्कि समाज के हर तबके विशेषकर महिलाओं के कल्याण की बात कही। संविधान सभा में प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में बाबासाहेब ने संविधान सभा में समान नागरिक संहिता के माध्यम से न केवल हिंदू महिलाओं बल्कि सभी वर्ग, पंथ और धर्म की महिलाओं के लिए समान अधिकार प्रदान करने की कल्पना की थी। उन्होंने अपनी पुस्तक पाकिस्तान ऑर द पार्टिशन ऑफ इंडिया- में लिखा है कि मुसलमानों में हिंदुओं की सामाजिक बुराइयों के साथ और कुछ भी हैं। वह 卐कुछ और卐 मुस्लिम महिलाओं के लिए पर्दा की अनिवार्य प्रणाली है। उन्होंने लिखा कि मुस्लिम महिलाएं दुनिया की सबसे असहाय इंसान होती हैं।

संविधान सभा में समान नागरिक संहिता के समर्थन के लिए उनकी अपील के प्रति संविधान सभा के अधिकतर सदस्यों की तटस्थता रही। प्रगतिशील समाज वो हैं जो सामाजिक और लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए अपने सामाजिक मानदंडों, प्रथाओं और रीति-रिवाजों का अन्तरावलोकन और आत्मनिरीक्षण कर सकते हैं उनमें बदलाव की पहल कर सकते हैं। बाबासाहेब ने इसी की गुहार लगाई थी। भारत की न्यायपालिका ने कई बार सभी महिलाओं के लिए समान अधिकारों पर बाबासाहेब के विचारों को दोहराया है। ऐसा ही एक उदाहरण 1952 में बॉम्बे हाईकोर्ट का है- बॉम्बे राय बनाम नरसु अप्पा माली, जिस निर्णय में न्यालालय ने कहा कि जहां यह कहा गया कि राय धार्मिक विश्वास और आस्था की रक्षा करता है, वहीं अगर धार्मिक प्रथाएं सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता, स्वास्थ्य या राय कल्याण नीति के विपरीत हैं, तो ऐसी धार्मिक प्रथाओं को लोगों की भलाई के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए। डॉ.अम्बेडकर अपने शब्दों और कार्यों में उन सभी के लिए प्रकाश स्तंभ रहे हैं जो लैंगिक दृष्टिकोण से समावेशी समाज के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने एक न्यायपूर्ण प्रणाली की वकालत की जहां महिलाओं को सामान अधिकार और सम्मान मिले।

अपराध: चुनावी दौर में जहरीली शराब का धंधा... अवैध शराब बनाने वालों और उनके सहयोगियों पर नकेल कसना समय की मांग

लोकसभा चुनावों के मद्देनजर इस समय पूरे देश में आदर्श आचार संहिता लागू है। लेकिन पिछले 20 मार्च को पंजाब के संगरूर जिले में जहरीली शराब से पांच की मृत्यु हो गई और कुछ लोग भर्ती किए गए। मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 तक पहुंच गई। इस घटना का तत्काल ही चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया और पंजाब सरकार के मुख्य सचिव व डीजीपी को रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा। इस बार लोकसभा चुनावों में आचार संहिता लागू होने के बाद जहरीली शराब पीने से मौत की यह पहली घटना है। वर्ष 2019 में ओडिशा में लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे। उस दौरान भी 30 अप्रैल, 2019 में भद्रक जिले में जहरीली शराब पीने से पांच लोग मरे व 28 बीमार हुए थे। उस दिन राज्य में चौथे व अंतिम चरण का मतदान था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, राजनीतिक पार्टियों द्वारा बांटे गए पैसे से लोगों ने शराब खरीदी थी और राजनीतिक दलों द्वारा भी शराब बांटी गई थी। सितंबर, 2022 में हरिद्वार के पथरी थाना क्षेत्र में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान जहरीली शराब पीने से सात लोगों की मौत हुई थी। उत्तर प्रदेश में भी पंचायत चुनावों के दौरान जहरीली शराब कांड हुए थे। अलीगढ़ में जहरीली शराब पीने से मई, 2021 में अस्सी लोग मर गए थे। लोकसभा, विधानसभा या पंचायतों के चुनावों में भी मतदाताओं को लुभाने के लिए राजनीतिक दल और उम्मीदवार कच्ची-पक्की, सस्ती-महंगी शराब बांटते रहते हैं। इसलिए चुनाव आयोग नकदी के साथ शराब या नशीले पदार्थों पर भी निगरानी रखता है। अभी देश भर में शराब पकड़ी जा रही है। राज्यों में इसके लिए विशेष छापामार दस्ते तैनात किए गए हैं। उत्तराखंड में तो ड्रोनों की मदद से शराब बनाने वालों पर नजर रखी जा रही है। संगरूर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का गृह जिला भी है। वह जब प्रभावित परिवारों से मिलने गए, तो गांव वालों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब का धंधा खुलेआम चल रहा है। इस कांड की जांच के लिए विशेष उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन हो चुका है। दोषियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाएगा। संगरूर कांड में नकली शराब में मिथेनॉल पाया गया। शराब बनाने के लिए ये रसायन मिथाइल अल्कोहल नोएडा से तथा बोतलें व ढक्कन बनाने का सामान लुधियाना से खरीदा गया था। बताया जा रहा है कि शराब बनाने की जानकारी यूट्यूब से जुटाई गई थी और कुछ जरूरी सामान ऑनलाइन भी खरीदा गया था।

पंजाब पुलिस और आबकारी विभाग को छापों में जगह-जगह हजारों लीटर शराब, सैकड़ों खाली व भरी अवैध शराब की बोतलें, पेटियां एवं भट्ठियां मिल रही हैं। किंतु मौके पर शराब बनाते अपराधी कम ही पकड़े जा रहे हैं। हालांकि सांविधानिक प्रतिबद्धता देश में मद्यपान को कम करने की है, किंतु राज्य ज्यादा से ज्यादा शराब की दुकानों की संख्या बढ़ाने में लगे हैं। उनका तर्क होता है कि इससे अवैध व नकली शराब के जोखिम कम होंगे। अनुमानतः औसतन राज्यों को करीब ढाई लाख करोड़ का राजस्व शराब की बिक्री से मिलता है। इसलिए कोरोना महामारी के दौरान बंद शराब की दुकानों को खुलवाने के लिए राज्य बेताब थे। शराब बनाने, वितरण, प्रबंधन आदि राज्यों का विषय है। 19 जुलाई, 2022 को गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने एक लिखित जवाब में संसद को बताया कि वर्ष 2016 से 2020 के बीच जहरीली शराब पीने से देश में 6,000 मौतें हुई थीं। देखने में आता है कि विभिन्न जहरीली शराब कांडों में जो अपराधी पकड़े जाते हैं, वे पहले भी ऐसे ही कारोबारों में कई बार सजा व जमानत पाए हुए होते हैं। बाहर निकलते ही वे फिर से पुराने धंधे में लग जाते हैं। संगरूर घटना के ज्यादातर आरोपी पहले ही हिस्ट्रीशीटर थे। संगरूर हादसा होली से ठीक पहले हुआ था, जब शराब की मांग बढ़ जाती है। शराब की मांग बढ़ जाने पर शराब तस्करों के साथ-साथ अन्य अपराधी भी नकली शराब के धंधे में सक्रिय हो जाते हैं। जब भी ऐसी कोई घटना होती है, तो दोषियों को मौत की सजा देने की भी मांग उठने लगती है, फिर धीरे-धीरे सब कुछ ठंडा पड़ जाता है। ऐसी घटनाओं पर खूब जमकर राजनीति होती है और भारी मुआवजे की मांग होती है। कई बार ऐसी घटनाओं में पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत की भी बात सामने आई है। जब तक अवैध शराब बनाने वालों और उन्हें सहयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होगी, ऐसे दर्दनाक हादसे होते रहेंगे।

तमिलनाडु की सियासतः द्रविड़ पार्टियों से निराशा के बीच नया दल आजमाने की चाह दक्षिण समर्थक भावनाओं का विकास

तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव प्रचार चरम पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत तमाम बड़े नेताओं के साथ भाजपा वहां धुआंधार प्रचार कर रही है, जबकि द्रमुक और कांग्रेस पूरी तरह से एमके स्टालिन और राहुल गांधी पर निर्भर हैं। तीन धड़ों में बंट चुकी अन्नाद्रमुक ने भी अपने स्थानीय नेताओं को राज्य के दौरे में व्यस्त रखा है। एडाप्पडी पलानीस्वामी अन्नाद्रमुक के स्टार प्रचारक हैं।द्रविड़ पार्टियों को हिंदू समर्थक भाजपा से कठिन चुनौती मिल रही है। पहली बार राज्य में 70 वर्षों से बारी-बारी शासन में रहे द्रमुक और अन्नाद्रमुक, दोनों द्रविड़ दलों को भाजपा और सिने अभिनेता विजय द्वारा हाल ही में गठित सीमन नाम तमीझर काची पार्टी से खतरा महसूस हो रहा है। तमिलनाडु में एक ऐसा वर्ग उभरा है, जो मोदी के तीसरे कार्यकाल के पक्ष में है। तमिलनाडु के राजनीतिक दलों के भाषण और घोषणापत्रों से यही संकेत मिलता है कि पार्टियां 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों पर लोकसभा चुनावों की तुलना में ज्यादा जोर दे रही हैं। तमिलनाडु की ये राज्य और जिला स्तरीय पार्टियां चाहती हैं कि नरेंद्र मोदी का शासन बिल्कुल खत्म होना चाहिए। राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना प्रवासी पक्षियों से की है, जो चुनावी मौसम में तमिलनाडु आते हैं। विभिन्न दलों के नेता एक-दूसरे के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने तीन सार्वजनिक रैलियों को संबोधित करते हुए कहा कि %द्रमुक की विचारधारा राष्ट्र विरोधी है। पिछले 10 वर्षों में राजग सरकार तमिलनाडु के मछुआरों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। राजग सरकार तमिलनाडु के पांच मछुआरों की जान बचाकर उन्हें भारत लाई, जिन्हें श्रीलंका की अदालत ने मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। उन्होंने आगे कहा कि 'द्रमुक के एक नेता का कहना है कि यह चुनाव मोदी को देश से बाहर भेजने के लिए है, लेकिन यह चुनाव भ्रष्टाचार, वंशवादी राजनीति और नशीले पदार्थों के खतरे को देश से बाहर भेजने के लिए द्रमुक की राष्ट्र-विरोधी विचारधारा को खत्म करने के लिए है।' यदि नेताओं के भाषणों का विश्लेषण किया जाए, तो उससे कुछ अनुमान लगाए जा सकते हैं। एक, यदि द्रमुक सभी 39 सीटें जीत जाती है, तो यह सुनिश्चित हो जाएगा कि उसके लिए 2026 का मार्ग सुरक्षित है और गठबंधन कायम रहेगा। दूसरा, यदि अन्नाद्रमुक 8-10 सीटें जीत जाती है और भाजपा गठबंधन पांच से आठ सीटें जीत जाता है, तो यह द्रमुक के खिलाफ सत्ता विरोधी रुझान को दर्शाएगा। ऐसे में स्टालिन के सामने अपनी पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती पैदा होगी। जाहिर है, द्रमुक को तोड़ने के लिए केंद्रीय एजेंसियां भी सक्रिय हो जाएंगी। तीसरा, यदि केंद्र में तीसरी बार भाजपा सरकार बना लेती है, तो निश्चित रूप से भाजपा द्रमुक को खत्म करने के लिए वैसा ही अभियान चलाएगी, जैसा झारखंड मुक्ति मोर्चा और आप के खिलाफ चलाया। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी ने स्टालिन सरकार को रेत माफिया, ड्रग माफिया और तुष्टीकरण का एजेंट बताया है। वर्ष 1967 से राज्य की राजनीति पर नजर रखने के नाते इन पंक्तियों के लेखक का मानना है कि मतदाता दोनों द्रविड़ पार्टियों से निराश हैं-चाहे द्रमुक हो या अन्नाद्रमुक। वे अब एक वैकल्पिक पार्टी को आजमाना चाहते हैं। राज्य और जिला स्तरीय दलों का बढ़ना इस बात का संकेत है कि मतदाताओं में सिनेमा संस्कृति के प्रति निराशा बढ़ रही है और दक्षिण समर्थक भावनाओं का विकास हो रहा है। ऐसे में हैरानी नहीं कि लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारी करेंगे और पश्चिम बंगाल एवं त्रिपुरा फॉर्मूले पर तमिलनाडु पर कब्जा करने के लिए आक्रामक रुख अपनाएंगे। इसके लिए तमिलनाडु में बुनियादी संरचनाओं के निर्माण और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाएंगे। नशे के कारोबार और खनन माफिया पर अंकुश लगाने के साथ वह विदेशी निवेशकों को भी इसके लिए आकर्षित कर सकते हैं। एक विदेशी कंपनी सेमी कंडक्टर के क्षेत्र में दक्षिणी राज्यों में निवेश करना चाहती थी, लेकिन सामाजिक अशांति और कानून-व्यवस्था की समस्या के कारण अचानक उसे पश्चिमी राज्यों का रुख करना पड़ा।

बड़े मियां छोटे मियां से पहले अक्षय की इन मल्टीस्टारर फिल्मों ने बजाया था डंका, क्या आपने देखा?

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर एक्शन थ्रिलर बड़े मियां छोटे मियां सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को दर्शकों की अछी खासी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म ने दो दिन में ही 50 करोड़ से अधिक कमाई कर ली है। बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय और टाइगर के साथ-साथ फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन, मानुषी छिल्लर, अलाया एफ और सोनाक्षी सिन्हा भी नजर आ रही हैं। अक्षय कुमार इससे पहले भी कई मल्टी स्टारर फिल्मों में नजर आ चुके हैं, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। चलिए आपकों इन फिल्मों के बारे में बताते हैं। इस लिस्ट में पहला नाम भागम भाग का है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म थी, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा गोविंदा और परेश रावल मुख्य किरदार मे नजर आए थे। इसके अलावा फिल्म में लारा दत्ता, जैकी श्रॉफ और अरबाज खान भी नजर आए थे। यह फिल्म साल 22 दिसम्बर 2006 में रिलीज हुई थी। लिस्ट में अगला नाम साल 2000 में फिल्म हेरा फेरी का है। इस फिल्म को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा, सुनील शेट्टी और परेश रावल नजर आए थे। फिल्म की सफलता के इसका सीक्वल भी बनाया गया, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। अब इस फिल्म के तीसरे पार्ट की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन हाउस की हाउसफुल फ्रेंचाइजी भी इस सूची में शामिल है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म का पहला पार्ट साल 2012 में रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद इस फिल्म के चार भाग रिलीज हो चुके हैं और फिल्म का पांचवा भाग भी जल्द आने वाला है। हाउसफुल में अक्षय कुमार के अलावा रितेश देशमुख, लारा दत्ता, दीपिका पादुकोण और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकार ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद हर अगले भाग में अक्षय और रितेश के अलावा कई टॉप सितारें अहम भूमिका में नजर आए। साल 2007 में आई सुपरहिट फिल्म वेलकम भी इस सूची का हिस्सा है, जिसमें अक्षय कुमार, परेश रावल, कैटरीना कैफ, नाना पाटेकर, अनिल कपूर समेत कई शानदार कलाकार नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। अब इसके तीसरे भाग की तैयारी जोरो पर है।

दो दिनों में बड़े मियां छोटे मियां ने बॉक्स ऑफिस पर जड़ा अर्धशतक, इतनी हुई वर्ल्डवाइड कमाई

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एक्शन से भरपूर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां ने ईद के मौके पर 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक दी। ओपनिंग डे पर फिल्म ने बंपर कमाई कर शानदार तरीके से अपना खाता खोला। हैरतअंगेज एक्शन दृश्यों भरी यह फिल्म न सिर्फ भारतीय दर्शकों को पसंद आ रही है, बल्कि विदेशी दर्शक भी फिल्म पर टूट कर पड़ रहे हैं। फिल्म का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कारोबार इस बात की गवाही दे रहा है। रिलीज के महज दो दिनों के अंदर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई का अर्धशतक जड़ दिया है। पूजा एंटरटेनमेंट की अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित फिल्म बड़े मियां छोटे मियां पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं। देशभर में पहले दिन फिल्म ने 15.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरे दिन शुक्रवार को फिल्म ने 7.06 करोड़ कमाए। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने महज दो दिनों में 23.28 करोड़ कमा लिए हैं। वहीं, वर्ल्डवाइड कारोबार और यादा चौंकाने वाला है। इस फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में 36.33 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म को ईद की छुट्टी का पूरा फायदा मिला। अब दूसरे दिन भी इसके कारोबार में अछा इजाफा हुआ है, जिसके बाद फिल्म की कमाई रिलीज के महज दो दिनों के अंदर 50 करोड़ रुपये पार हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ल्डवाइड बड़े मियां छोटे मियां का ग्रॉस कलेक्शन 55.14 करोड़ रुपये हो गया है। वीकएंड में इस फिल्म को और यादा फायदा मिलने वाला है। एक्शन के साथ-साथ इस फिल्म में हास्य का भी तड़का है। यह खूबियां दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही हैं। यह एक पारिवारिक मनोरंजन फिल्म कही जा रही है। ईद की छुट्टी और फिर वीकएंड पर लोग अपने परिवार के साथ इसे देखने निकल रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का मुकाबला अजय देवगन की मैदान से है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के अलावा फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन , मानुषी छिल्लर , अलाया एफ, सोनाक्षी सिन्हा और रोनित बोस रॉय भी अहम भूमिकाओं में हैं। अक्षय कुमार और टाइगर दोनों ही इंडस्ट्री में अपने एक्शन और स्टंट के लिए मशहूर हैं। अब जब दोनों एक ही फिल्म में साथ नजर आए हैं तो पूरी उम्मीद है कि बॉक्स ऑफिस पर कुछ नए रिकॉर्ड तो जरूर बनेंगे।

कंगुवा के इंतजार में बैठे दर्शकों के लिए बुरी खबर इस साल रिलीज होना मुश्किल! यहां फंसा है पेंच

अभिनेता सूर्या की फिल्म कंगुवा आए दिन सुर्खियां बटोर रही है। दर्शक लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच फिल्म की रिलीज से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिसे जानकर दर्शक थोड़े मायूस हो सकते हैं।

2024 में लगी है बड़ी फिल्मों की लाइन इस साल कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली है। हिंदी के साथ-साथ साउथ की कई फिल्म रिलीज की कतार में खड़ी है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो इस साल सिंघम 3 और स्त्री 2 जैसी फिल्म सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी। इस साल रिलीज होने वाली दक्षिण भारतीय फिल्मों में पुष्पा 2, गेम चेंजर, कल्कि 2898 एडी, कंतारा 2, इंडियन 2 और देवरा जैसी बड़े सितारों से सजी फिल्में शामिल है। दलपति विजय की फिल्म द गोट की रिलीज की तारीख भी सामने आ चुकी है। यह फिल्म 5 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयान अक्टूबर महीने में रिलीज होने जा रहा है।

इस साल रिलीज के लिए बढ़िया तारीख मिल पाना है मुश्किल साल 2024 में रिलीज होने फिल्मों की संख्या काफी यादा है। ऊपर से यह सभी बड़े सितारों की फिल्में है। यही वजह है कि इस साल कंगुवा की रिलीज टल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसी स्थिति में कंगुवा को कोई अछी रिलीज डेट मिलना काफी मुश्किल है। संभावना जताई जा रही है कि इस साल कंगुवा सिनेमाघरों में देखने को नहीं मिलेगी। इसके लिए दर्शकों को अगले साल का इंतजार करना पड़ सकता है।

मनोरंजन की उम्मीद लगाए बैठे हैं दर्शक कंगुवा में सूर्या के अलावा दिशा पाटनी और बॉबी देओल अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। टीजर रिलीज होने के बाद से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता का माहौल है। प्रशंसकों का मानना है कि उन्हें इस फिल्म कुछ अलग देखने को मिलेगा। टीजर में दिखे मगरमछ की आंख वाले दृश्य की भी खूब चर्चा हो रही है। फिल्म निर्माताओं का कहना है कि इस सीन को देखकर लोगों को मजा आने वाला है।

अमर सिंह चमकीला के साथ काम करना चाहती थीं श्रीदेवी! लेकिन गायक ने ठुकरा दिया था फिल्म का ऑफर

दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा स्टारर चमकीला रिलीज हो चुकी है। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है, जिसे दर्शक खूब पसदं कर रहे हैं। फिल्म में पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की जीवनी को दिखाया गया। इसी बीच सोशल मीडिया पर चमकीला के दोस्त स्वर्ण सिविया का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि मशहूर अभिनेत्री श्रीदेवी गायक अमर सिंह चमकीला की फैन थी और उनके साथ काम करना चाहती थी, लेकिन उन्होंने अभिनेत्री के साथ काम नहीं किया।

श्रीदेवी ने दिया था फिल्म का ऑफरमीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चमकीला के दोस्त स्वर्ण सिविया ने बताया, श्रीदेवी अमर सिंह चमकीला की फैन थीं, उन्होंने उनसे अपनी फिल्म में हीरो बनने का ऑफर दिया।

सलमान की भाईयों से नहीं होती बात! फिर भी मदद के लिए रहते हैं तैयार, अरबाज ने किया खुलासा

बॉलीवुड के दबंग अभिनेता सलमान खान अक्सर चर्चा में रहते हैं। सलमान खान के व्यक्तिगत रिश्ते चाहे जैसे भी रहे हों पर वह अपने परिवार को लेकर काफी संवेदनशील नजर आते हैं। अब सलमान खान के भाई अरबाज खान ने अपने बेटे अरहान खान को दिए पॉडकास्ट में अपने और सलमान खान के रिश्ते के बारे में खुलासा किया। अरबाज ने कहा कि हम दोनों एक-दूसरे के बहुत नजदीक हैं। आइए जानते हैं अरबाज ने अपने और सलमान खान के रिश्ते को लेकर क्या कहा?

शादी के बाद अलग हो गए तीनों भाई अरबाज ने बातचीत में अपने और सलमान के रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि वे हर दिन आपस में बात नहीं करते, लेकिन परेशानी के दिनों में हमेशा एक-दूसरे के लिए खड़े रहते हैं। अभिनेता कहते है कि हम एक-दूसरे के बहुत नजदीक हैं। अरबाज आगे कहते हैं कि जब हम छोटे थे, तो एक-दूसरे के बहुत नजदीक थे। हम एक साथ रहते थे। हमने जब काम करना शुरू किया तो घर से बाहर चले गए। सलमान ने शादी नहीं की, लेकिन मैंने और सोहेल ने कर ली और हम अलग हो गए।

सलमान हमेशा मदद के लिए रहते हैं तैयार अरबाज ने बातचीत में आगे कहा कि परेशानी के दिनों में हो सकता है कि आपका परिवार कभी आपको निराश कर दे, लेकिन उनके भाई बिल्कुल विपरीत हैं। अरबाज ने बताया कि संकट के दिनों में हम एक-दूसरे के लिए हमेशा खड़े रहते हैं। मैं और सलमान ज्यादा नहीं मिलते और ना ही ज्यादा बातचीत करते हैं, लेकिन जब भी उन्हें लगता है कि मैं परेशानी में हूं, वो मदद करने से बिल्कुल भी नहीं हिचकिचाते।

अरबाज और सोहेल के रिश्ते अरबाज खान ने अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा से शादी की, दोनों 19 साल तक एक दूसरे के साथ रहे। साल 2017 में दोनों ने आधिकारिक तौर पर तलाक ले लिया। उनका एक बेटा अरहान है। अरबाज ने साल 2023 में मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान से दूसरी शादी कर ली। वहीं, सोहेल खान की शादी सीमा सचदेव से हुई थी, लेकिन साल 2022 में दोनों अलग हो गए। उनका एक बेटा भी है, जिसका नाम निर्वाण है।

अरबाज खान की आगामी फिल्म वर्क फ्रंट की बात करें तो अरबाज ने हाल ही में आई फिल्म 'फर्रे' में अभिनय किया, जिसे अलवीरा खान और सलमान ने प्रोड्यूस किया। वहीं, उन्होंने रवीना टंडन और मानव विज अभिनीत डिज्नी+ हॉटस्टार फिल्म पटना शुक्ला का भी निर्माण किया। वह जल्द ही श्रीदेवी बंगलो में एक कैमियो रोल निभाएंगे।

महादेव एप मामले में आज मुंबई पुलिस के सामने पेश होंगे साहिल खान, दर्ज होंगे बयान

महादेव बेटिंग एप मामले में अभिनेता साहिल खान आज मुंबई पुलिस के सामने पेश होंगे। इस मामले में आज साहिल के बयान दर्ज किए जाएंगे। कई सितारों के साथ एक्टर साहिल का नाम भी इस मामले में सामने आया। आज उनके बयान दर्ज होंगे।बड़े मियां छोटे मियां से पहले अक्षय की इन मल्टीस्टारर फिल्मों ने बजाया था डंका, क्या आपने देखा?

दादा जी क्यों इतनी टिका लेते हैं...? देर रात बिग बी का अजीबो-गरीब पोस्ट देख भड़के यूजर्स

सदी के महानायक अमिताभ बचन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वे फैंस के साथ अपने पोस्ट ब्लॉग के जरिए जुड़े रहते हैं। वे पोस्ट के जरिए फैंस के साथ अक्सर अपने दिल की बात साझा करते हैं। बिग बी ने एक बार फिर फैंस के साथ एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने एक ट्वीट साझा किया है। फैंस को वह इसमें काफी गुस्से में लग रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स इसे लेकर उन्हें जमकर ट्रोल भी कर रहे हैं।

अमिताभ बचन ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर देर रात एक पोस्ट साझा किया है। उनके इस पोस्ट को देखकर फैंस को लग रहा है कि बिग बी काफी भड़के हुए हैं। दरअसल, अमिताभ बचन ने आज शनिवार को देर रात एक बजकर 41 मिनट पर एक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा, अरे कह तो दिया नहीं बोल रहे हैं, तो बोल बोल के काहे बोल रहे हो। उनके इस पोस्ट को देखकर जहां फैंस हैरान हैं, वहीं कई सोशल मीडिया यूजर्स इसे लेकर उन्हें आड़े हाथ ले रहे हैं।

एक यूजर ने बिग के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, चुप ही रहो ईडी आ जाएगी पनामा पेपर पे..., वहीं एक अन्य ने लिखा, बिना रीढ़ की हड्डी वाला मनुष्य, एक यूजर ने लिखा, ई ससुरा कुछ भी बकता है, एक ने लिखा, 2014 के बाद से ये तो बोल ही नहीं रहे हैं, एक ने लिखा, बोलोगे, जल्द ही सरकार बदलेगी, फिर बोलोगे, वहीं एक यूजर ने मजाक बनाते हुए लिखा, दादा जी क्यों इतनी टिका लेते हैं...? जब हज़म नही होती है तो।

बिग बी के पोस्ट पर कमेंट कर यूजर्स इसे राजनीति से जोड़ रहे हैं। फैंस मोदी सरकार के समर्थन करने के चलते अमिताभ बचन को भी आड़े हाथ ले रहे हैं। बिग के पोस्ट पर यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं।

अमिताभ बचन के वर्कफ्रंट की बात करें तो बिग बी जल्द ही कल्कि 2898 में दिखाई देंगे। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अमिताभ बचन के अलावा कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी जैसे सितारे नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राम चरण के खाते में एक और सम्मान, चेन्नई का यह विश्वविद्यालय एक्टर को मानद उपाधि से करेगा सम्मानित

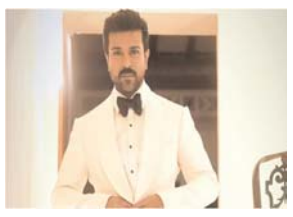

सुपरस्टार राम चरण की लोकप्रियता देश और दुनिया में है। फिल्म आरआरआर ने इसमें और इजाफा किया है। इस फिल्म के लिए अभिनेता को चेन्नई के प्रतिष्ठित वेल्स विश्वविद्यालय की तरफ से डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मशहूर निर्देशक शंकर समेत कई जानी-मानी हस्तियों को यह सम्मान मिल चुका है। अब राम चरण भी इस लिस्ट में अपनी जगह बना रहे हैं।

मनोरंजन में योगदान के लिए मिलेगा सम्मान रिपोर्ट्स के मुताबिक यूनिवर्सिटी की आगामी ग्रेजुएशन सेरेमनी में राम चरण बतौर चीफ गेस्ट शामिल होंगे। वेल्स विश्वविद्यालय ने अलग-अलग क्षेत्रों में योगदान देने के लिए मशहूर हस्तियों को इस मानद उपाधि से सम्मानित किया है। राम चरण को मनोरंजन के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है।

इस फिल्म से किया था आगाज राम चरण ने वर्ष 2007 में फिल्म चिरुथा से अभिनय का आगाज किया था। इसके बाद वह कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में नजर आ चुके हैं। अभिनेता को अब तक नंदी अवॉर्ड, फिल्मफेयर, साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें आरआरआर के लिए बेस्ट एक्टर की श्रेणी में क्रिटिक्स वाइस अवार्ड्स के लिए भी नॉमिनेट किया गया था। निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआ ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। फिल्म के नाटू नाटू गाने ने ऑस्कर अवॉर्ड भी जीता।

प्रियंका ने साझा कीं 22 साल पुरानी तस्वीर, विजय के साथ उनका यह कनेक्शन नहीं जानते होंगे आप

बहुत कम लोग यह जानते होंगे कि अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर की शुरुआत तमिल फिल्म थमिजान से की थी। यह फिल्म 22 साल पहले रिलीज हुई थी। हाल ही में, प्रियंका चोपड़ा ने एक तस्वीर साझा करते हुए फिल्म की रिलीज के 22 साल पूरे होने पर खुशी जताई हैं।

ताजा की 22 साल पुरानी यादें

प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक बेहद खास तस्वीर को साझा किया है। इस तस्वीर में उनके साथ सुपरस्टार दलपति विजय नजर आ रहे हैं। यह एकदम अनदेखी तस्वीर है। बता दें कि थमिजान में विजय ने मुख्य भूमिका अदा की थी। इस तस्वीर के साथ प्रियंका ने अपनी 22 साल पुरानी यादों को ताजा किया। तस्वीर में प्रियंका चोपड़ा और विजय के अलावा संगीतकार डी इम्मान और एक अन्य शख्स भी नजर आ रहा है।

अंदाज थी पहली हिंदी फिल्म

प्रियंका चोपड़ा ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। इसके दो साल बाद उन्होंने थमिजान के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। अगले ही साल उन्होंने फिल्म अंदाज से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। इस फिल्म में अक्षय कुमार और लारा दत्ता ने भी काम किया था।

इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त है देसी गर्ल

प्रियंका अपनी आने वाली फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट्स की शूटिंग में व्यस्त में हैं। इसे फ्रांस में शूट किया जा रहा है। प्रियंका ने थमिजान से जुड़ी तस्वीरों के अलावा अपनी पोस्ट में बेटी मालती मैरी की भी तस्वीरें साझा की हैं। मालती को खिलौने वाले कैमरे के साथ खेलते हुए देखा जा सकता है। अक्सर प्रियंका के सोशल मीडिया हैंडल पर मां-बेटी की मौज-मस्ती वाली तस्वीरें देखने को मिलती रहती है।

मामुली गिरावट के बाद सोने की कीमत ने पकड़ी रफ्तार चांदी के भाव में उछाल

इंदौर। भारतीय सर्राफा बाजार में 11 अप्रैल 2024 को सोने का भाव में तेजी आई है। सोने का भाव 73174 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 10 अप्रैल 2024 को सोने के शाम के भाव की तुलना में 1351 रुपये की तेजी आई है। चांदी के भाव में भी तेजी देखी गई है। चांदी का भाव 83819 रुपये प्रति किलो हो गया है। राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले चांदी के भाव में 10 अप्रैल से 1476 रुपये की तेजी आई है।11 अप्रैल को 995 शुद्धता वाले सोने की कीमत 72881 रुपये हो गई है। 916 शुद्धता वाले सोने की कीमत 67027 रुपये हो गई है। 750 शुद्धता वाले सोने की कीमत 54881 रुपये हो गई है। 585 शुद्धता वाले सोने की कीमत 42807 रुपये हो गई है।

खूब पसंद आ रहे इलेक्ट्रिक व्हीकल, वित्त वर्ष-2024 में बिक्री 91 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। ऑटोमोटिव डीलरों के निकाय स्न्रष्ठ ने हाल ही जारी अपनी रिपोर्ट में जानकारी दी है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री बीते वित्त वर्ष में काफी बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की कुल बिक्री वित्त वर्ष 2023 में 47,551 यूनिट थी, जो इस साल बढ़कर अब 90,996 यूनिट हो गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 91 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा मोटर्स ने बीते वित्त वर्ष में जहां 38,728 यूनिट बेचे थे, वहीं इस साल 66 फीसदी अधिक 64,217 यूनिट बेचकर इस सेगमेंट में टॉप पर हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीकरण 30 फीसदी बढ़कर 9,47,087 यूनिट हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 7,28,205 यूनिट था। ओला इलेक्ट्रिक 3,29,237 इकाइयों की खुदरा बिक्री के साथ इस क्षेत्र में सबसे आगे रही, इसके बाद *TVS* मोटर 1,82,969 रजिस्ट्रेशन के साथ दूसरे स्थान है। पिछले वित्तीय वर्ष में, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर खुदरा बिक्री 56 फीसदी बढ़कर 6,32,636 यूनिट हो गई, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 4,04,430 यूनिट थी। महिंद्रा समूह ने बीते वित्तीय वर्ष में 60,618 इकाइयों की खुदरा बिक्री की थी, जिसमें 69 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कुछ इसी तरह कमर्शियल इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष-2024 में टाटा मोटर्स ने 5,590 इकाइयां बेची और इसके बाद 530 रजिस्ट्रेशन के साथ *JBM* ऑटो दूसरे स्थान पर है। इलेक्ट्रिक व्हीकल आ रहे पसंद फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाया जा रहा है। ताजा आंकड़े इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट की क्षमता को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा कि *Electric Vehicle* की बिक्री हर तिमाही में अच्छी वृद्धि दर्ज कर रही है क्योंकि लोगों के बीच इसकी मांग बढ़ रही है।

तरबूज मगज में आंशिक गिरावट, पैकिंग में साबूदाना के दाम घटे

इंदौर। पैकिंग में साबूदाने वालों ने कीमते 100 रुपये क्विंटल तक घटा दी है। नवरात्र की मांग सिमटने के बाद स्टाक को हल्का करने के लिए दाम घटाए गए हैं। बाजार में पिछले 10-15 दिनों से तरबूज मगज की मांग जैसी होना चाहिए वैसी नहीं है। इस वजह से तरबूज मगज के उत्पादक केंद्र गुजरात और राजस्थान के जोधपुर में कीमतें कुछ घटाकर बोली जा रही है, जिसका असर इंदौर मार्केट पर भी आने लगा है। इंदौर में तरबूज मगज घटकर 610 से 640 रुपये प्रति किलो क्वालिटी अनुसार रह गया।व्यापारियों का कहना है कि तरबूज मगज में ज्यादा मंदी की गुंजाइश नहीं है क्योंकि वैवाहिक सीजन का दौर शुरू हो गया है, जिससे इसकी मांग में अगले सप्ताह से धीरे-धीरे बढ़ने लगेगी। इसके अलावा एक कारण यह भी है कि स्टॉकिस्ट ज्यादा नीचे दामों पर माल बेचने के इच्छुक नहीं है क्योंकि नई फसल आने में अभी करीब छह-सात महीने का समय शेष होना है और देसी तरबूज मगज का स्टॉक बेहद कमजोर बताया जा रहा है।

दूसरी ओर नारियल में ग्राहकी धीरे-धीरे और कमजोर होने लगी है, जिससे इसके दामों में और मंदी की उम्मीद की जा रही है। खोपरा गोला में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा, लेकिन खोपरा बूरे में वैवाहिक सीजन के चलते ग्रामीण क्षेत्रों से मांग जोरदार

आ रही है, दाम मजबूत बोले जा रहे हैं। शकर में भी शीतल पेय और वैवाहिक सीजन वालों की लेवाली जोर पकड़ने से भाव मजबूती पर टिके हुए है। शकर नीचे में 3825 ऊपर में 3900 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक सात गाड़ी की रही।

शकर और गुड़ के दाम - शकर 3825-3900, गुड करेली कटोरा 3700-3800, लड्डू 3900-4000, गिलास एक किलो 4600-4800, भैली 3500-3600 रुपये प्रति क्विंटल। नारियल - नारियल 120 भरती 1900-2000, 160 भरती 1900-2000, 200 भरती 2050-2100, 250 भरती 2050-2100 प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 120-135, कट्टे 110-111 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2400-4500, नारियल-बूरा अल्पाहार (1 किलो) 2751 प्रति 15 किलो ।

फलाहारी - साबूदाना सच्चासाबू एगमार्क (500 ग्राम) 7640, सच्चासाबू खीरदाना 7510, सच्चासाबू चीनीदाना 7840, सच्चासाबू फूलदाना 8200, साबूदाना चक्र एगमार्क 7320, शिवज्योति (1 किलो)7240, गोपाल लूज (25 किलो) 6820, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम) 9790 प्रति क्विंटल। रायल रतन सच्चामोती (1 किलो) 7250, रायलरतन सच्चामोती (500 ग्राम) 7310 व लूज 6750, रायलरतन सच्चामोती पोहा एक किलो 5350 व 35 किलो पैकिंग में 4700, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये।

पूजन सामग्री - केसर 190-210 ब्रांडेड 220-223, देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये।

मसालों के दाम - हल्दी निजामाबाद 180 से 210, हल्दी लालगाय 275-280 कालीमिर्च गारबल 555 से 565 एटम 575 से 580, मटरदाना 590 से 625, जीरा ऊंझा 290 से 310, मीडियम 320 से 340 बेस्ट 360-370 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1375-1425, मीडियम 1475-1575 और बेस्ट 1625-1675, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 1850-1900 मीडियम बोल्ड 2050 से 2100 बोल्ड 2250-2350 बेस्ट ए बोल्ड 2400-2650 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये।

सूखे मेवों के दाम - काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 550-570 बेस्ट 640-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 610-640 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

इंदौर में सोया और मूंगफली तेल में मामूली गिरावट, देखिए आज के भाव

इंदौर। यूएसडीए की रिपोर्ट में कोई बड़ा बदलाव ना होने के कारण स्टॉकिस्टों और सटोरियों की बिकवाली बढ़ जाने से सीबॉट सोयाबीन के दामों में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिली है। इसका असर भारतीय बाजारों पर भी देखा गया। सोया तेल में ऊंचे दामों पर लेवाली कमजोर होने के कारण 20 रुपये घटकर 955-960 तथा मूंगफली तेल 10 रुपये घटकर 1500 रुपये प्रति दस किलो रह गया। पाम तेल में भी कुछ गिरावट आई है, लेकिन पाम तेल ज्यादा नहीं टूट पा रहा है।अमेरिका में सोया तेल के उत्पादन के अनुमान में बढ़ोतरी के साथ ही दक्षिण अमेरिका में सोया तेल का उत्पादन और एक्सपोर्ट के अनुमान में कोई बदलाव नहीं हुआ, जिसके कारण विदेशों में सेंटीमेंट पर दबाव बन गया। यूएसडीए ने ब्राजील के सोयाबीन के उत्पादन का अनुमान में कोई बदलाव नहीं किया जबकि कुछ कटौती की उम्मीद थी। सीबॉट और चीन के मार्केट में गिरावट के कारण केएलसीई दबाव में देखी गई। इसके साथ ही पाम और सोया तेल के बीच भाव में अंतर कम हो रहा है। डॉलर में मजबूती, हाजिर भाव

ऊंचे होने के साथ ही 1-10 अप्रैल के बीच एक्सपोर्ट में मजबूती से कुछ सपोर्ट मिल सकता है। एमपीओबी और 1-15 अप्रैल के बीच पाम तेल के एक्सपोर्ट के आंकड़े आने के पहले मार्केट सतर्क भी हो सकता है। सोयाबीन 4600-4650, सरसों निमाड़ी 5800-5850, एवरेज 5400-5600, राइड़ा 4600-4800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव रहे।लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1500, मुंबई मूंगफली तेल 1510, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 955-960, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 910-915, इंदौर पाम 1020, मुंबई सोया रिफाइंड 960, सोया डीगम 880, मुंबई पाम तेल 960, राजकोट तेलिया 2320, गुजरात लूज 1450, कपास्या तेल इंदौर 935-940 रुपये।

सोयाबीन प्लांट खरीदी भाव - अवी उज्जैन 4825, बंसल मंडीदीप 4825, बैतूल आइल सतना 4910, बैतूल आइल 4890, कोरोनेशन ब्यावरा 4820, धानुका सोया नीमच 4910, धीरेंद्र सोया नीमच 4900, दिव्य ज्योति 4840, पीथमपुर पचोर 4840, हरि ओम रिफाइनरी 4910, केएन एग्री इटारसी 4775, लाभांशी एग्रोटेक देवास 4875, आइडिया लक्ष्मी देवास 4870, खंडवा आइल 4825, एमएस साल्वेक्स 4925, नीमच प्रोटीन 4900, पतंजलि फूड 4810, प्रकाश पीथमपुर 4920, रामा 825 राम जानकी एग्रीट्रेक 4850, आरएच साल्वेक्स सिवनी 4925, सांवरिया इटारसी 4940, महेश ऑयल 4850, सोनिका बायोकेम मंडीदीप 4850, सालासर हरदा 4900, सतना सॉल्वेंट 4771 रुपये प्रति क्विंटल।

कपास्या खली - (60 किलो भरती) इंदौर 1850, देवास 1850, उज्जैन 1850, खंडवा 1825, बुरहानपुर 1825, अकोला 2875 रुपये।

मांग बढ़ने से काबुली चने में जोरदार तेजी, नया मूंग 9500 रुपये बिका

इंदौर। प्रदेश में पिछले दो-दिन दिनों से मौसम खराब होने के साथ ही कई क्षेत्रों में बारिश और ओले गिरने के कारण मंडियों में जिंसों की आवक बेहद कमजोर हो गई है। काबुली चने की आवक काफी घट जाने के साथ ही घरेलू और निर्यातकों की अच्छी लेवाली आने से भाव में एकतरफा तेजी की स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार को काबुली चना क्वालिटी अनुसार 300-600 रुपये प्रति क्विंटल तक उछल गया।पिछले तीन-चार कारोबारी दिवस में काबुली चना क्वालिटी अनुसार करीब 600-800 रुपये तक उछल चुका है। ऊंचे दामों पर भी मांग का दबाव अच्छा है। कंटेनर में डालर चना बढ़कर 40/42 12400, 42/44 12200, 44/46 11900, 58/60 10400, 60/62 10300, 62/64 10400 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। देशी चने में मिलों एवं स्टाकिस्टों के भाव अगल-अगल चल रहे है। बेस्ट माल की आवक बेहद कमजोर है, जबकि मिलों की बेस्ट क्वालिटी के चने में लेवाली अच्छी है, जिससे इसके दाम मजबूत बोले जा रहे हैं। शुक्रवार को चना कांटा 5950-6125 रुपये प्रति क्विंटल तक बोला गया।दूसरी ओर सरकारी सख्ती के कारण तुवर की कीमतों में गुरुवार को आई गिरावट शुक्रवार को फिर तेजी में तब्दील हो गई। दरअसल, तुवर की आवक मांग के अनुरूप नहीं है, जबकि मिलों में दालों की स्टाक भी घटने लगा है। इससे मिलर्स की मांग तुवर में अच्छी है जिससे कीमतों में ज्यादा मंदी की स्थिति नहीं बन पा रही है। तुवर महाराष्ट्र सफेद 11600-11800, कर्नाटक 11600-11800, निमाड़ी तुवर 9800-11100 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। तुवर दाल में फिलहाल कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। अन्य दाल-दलहन में कामकाज स्थिर रहा। शुक्रवार को इंदौर अनाज़ मण्डी में खिरकिया से 35 कट्टे नये मूंग की अवाक हुई। नया मूंग 9501 रुपये क्विंटल के दाम पर बिका। सौदा बालाजी और श्याम ट्रेडिंग से देवी ट्रेजर्स ने किया। हरदा साइड से अभी नए मूंग की आवक अच्छी मात्रा में शुरू होने में कम से कम डेढ़ महीना लगेगा। ऐसे में शुरुआती माल को अच्छे दाम मिल रहे हैं। चना कांटा 5950-6125, विशाल 5850-6025, डंकी चना 5500-5700, मसूर 6100, तुवर महाराष्ट्र सफेद 11600-11800, कर्नाटक 11600-11800, निमाड़ी तुवर 9800-11100, मूंग 9000-9200, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000, गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2550, मालवराज गेहूं 2400-2450, लोकवन 2650-3100, पूर्णा 2560-2900 रुपये क्विंटल के भाव रहे।

ऐसी हो सकती है पंजाब और राजस्थान की प्लेइंग इलेवन

पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स 13 अप्रैल (शनिवार) को मोहाली के महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में आमने-सामने होंगे। पंजाब पांच में से दो मैच जीतकर 8वें पायदान पर है। वहीं, राजस्थान अपने पांच मैचों में से सिर्फ एक मुकाबला हारा है। अंक तालिका में नंबर एक पर है। दोनों टीमें एक बार फिर जीत की राह पर लौटना चाहेंगी। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। वे पांच पारियों में तीन अर्धशतक के साथ 246 रन बना चुके हैं। ऐसे में टीम को संजू से अच्छी पारी की उम्मीद होगी।संजू सैमसन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 21 पारियों में 39 के औसत और 144 की स्ट्राइक रेट से 702 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक और दो पचासा लगाया है। सैमसन पंजाब के खिलाफ 3 बार नाबाद रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पंजाब किंग्स के नाम पावरप्ले में सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इस मैच में पंजाब ने पावरप्ले में 27/3 रन बनाए थे। इससे पहले इसी सत्र में राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पावरप्ले में 31 रन बनाए थे। पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच

अब तक 26 आईपीएल मैच खेले गए हैं। पीबीकेएस ने 11 और आरआर ने 15 जीके हैं। राजस्थान के खिलाफ पंजाब का उच्चतम स्कोर 223 है। जबकि पीबीकेएस के खिलाफ आरआर का हाईस्कोर 226 है। दोनों के बीच पिछले 5 मैचों में पंजाब किंग्स ने दो में जीत दर्ज की है। इन टीमों का आखिरी मैच 2023 में हुआ था। तब राजस्थान रॉयल्स ने 4 विकेट से जीत दर्ज की थी। देवदत्त पडिक्कल प्लेयर ऑफ दे मैच थे। मोहाली के मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन इस आईपीएल में हुआ है। यहां अब तक दो मैच खेले गए हैं। दोनों ही हाई-स्कोरिंग थे। मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 180 रनों तक आसानी से पहुंच सकती है। पावरप्ले के दौरान तेज गेंदबाजों को मदद पिच से रहती है। शुरुआती ओवर में बल्लेबाजों को थोड़ा संभलकर रहना होगा। फिर चौके-छक्कों की बारिश होना तय है।

पंजाब किंग्स आईपीएल 2024 स्क्वॉड- शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शार्ट, प्रभसिमरन सिह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिह, नाथन एलिस, सैम कुर्रन, कैगिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वत कावेरप्पा, शिवम सिह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिह, शशांक सिह, तनय त्यागराजन, प्रिसं चौधरी, रिली रोसोयू।

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2024 स्क्वॉड- संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शिमरन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरैल, रियान पराग, डोनोवान फरेरा, कुनाल राठौर, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्रा सिह चहल, आवेश खान, रोवमैन पावेल, शुभम दुबे, टाम कोहलर कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नांद्रे बर्गर, तनुष कोटियान, केशव महाराज।

दिल्ली कैपिटल्स को मिला तूफानी बल्लेबाज, डेब्यू मैच में जड़ा पचासा

29 गेदों में लगा चुका है शतक

आईपीएल 2024 का 26वां मैच लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच शुक्रवार को खेला गया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाए। जिससे दिल्ली कैपटिल्स ने 18.1 ओवर में हासिल कर लिया। दिल्ली की 6 मैचों में यह दूसरी जीत है। लखनऊ के खिलाफ इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स के लिए जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने डेब्यू है। अपने पहले ही आईपीएल मैच में जेक फ्रेजर ने अर्धशतक जड़ा दिया और टीम को जीताने में बड़ी भूमिका निभाई। 22 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 35 गेंदों में 55 रन बनाए। जिसमें 5 छक्के और 2 चौके शामिल रहें।कौन है जेक फ्रेजर-मैकगर्क? दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में जेक फ्रेजर-मैकगर्क को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया। जेक लिस्ट ए क्रिकेट से चमके हैं। सबसे कम बॉल में शतक बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ने लिस्ट ए क्रिकेट में 29 गेंदों शतक जड़ा था। जेक फ्रेजर ने सबसे कम बॉल में शतक लगाकर क्रिस गेल और एबी डिविलियर्स

का रिकॉर्ड तोड़ा था। क्रिस ने 30 गेंदों में आईपीएल में शतक लगाया था। इसके अलावा वनडे क्रिकेट में सबसे फास्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के डिविलियर्स के नाम है। उन्होंने 31 गेंदों में शतक पूरा किया था। जेक ने साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए तस्मानिया के खिलाफ यह कारनामा किया। उन्होंने इस मैच में 38 गेंदों पर 125 रन बनाए थे। जेक फ्रेजर ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू नहीं किया है। उन्होंने लिस्ट ए में लाजवाब पारियां खेली हैं। जेक ने अब तक 9 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। जिसमें 309 रन बनाए हैं। जिसमें एक अर्धशतक लगाया है। इसके अलावा लिस्ट ए में 16 मुकाबलों में 437 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक जड़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगोह और बड़गांव की सभाओं में जात-बिरादरी से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद की खातिर वोट देने की अपील की

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले गंगोह और फिर राजपूत बहुल क्षेत्र बड़गांव में चुनावी सभाओं को संबोधित किया

सहारनपुर। 18 वीं लोकसभा के पहले चरण के 19 अप्रैल को होने वाले मतदान की पहले नंबर की सहारनपुर और दूसरे नंबर की कैराना लोकसभा सीटों के तहत आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले गंगोह और फिर राजपूत बहुल क्षेत्र बड़गांव में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजपूतों की नाराजगी दूर करने के इरादे से आज चौथी बार सहारनपुर दौरे पर पहुंचे। भाजपा ने कैराना के गंगोह और सहारनपुर के बड़गांव की दोनों चुनावी रैलियों में खासतौर से उन जातीय नेताओं को अनिवार्य रूप से मंच पर उपस्थित रखा जिनकी जातियों में तीनों-चारों लोकसभा सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों को परेशानी से दो-चार होना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब सवा बारह बजे गंगोह पहुंचे जहां नवीन मंड़ी स्थल पर आयोजित सभा में 40 मिनट के भाषण में उन्होंने खास जोर इस बात पर दिया कि मतदाता जातियों में ना बंटे और जात-बिरादरी की भावना से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद को ध्यान में रखकर भाजपा को जिताएं। उन्होंने बहुत स्पष्ट रूप से राजपूतों की नाराजगी पर तो कुछ नहीं कहा। वह इतना ही बोले कि इस तरह की बातें विपक्षी दल खासकर सपा और कांग्रेस चुनावी लाभ उठाने के लिए भ्रामक स्थिति जनता के बीच फैला रही हैं। लोगों को उनके बहकावे में नहीं आना चाहिए। यह अलग बात है कि असंतुष्ट राजपूत नेता लगातार इस पूरे क्षेत्र में राजपूतों के बीच जा रहे हैं और उनका मुख्य प्रचार यह है कि चुनाव के बाद यदि नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बन जाते हैं तो वह पहला काम योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री पद से हटाने का करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने असंतुष्ट राजपूत नेताओं द्वारा जताई जा रही आशंका का तो कोई जवाब नहीं दिया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शान में खूब कसीदे पढ़ें और कहा कि 140 करोड़ लोगों के देश को प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे विश्व में सम्मान दिलाया हैं और मोदी जी अगली बार प्रधानमंत्री बनते हैं तो देश दुनिया की तीसरी आर्थिक ताकत बन जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संकट से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की मजबूत कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, बहु-बेटियों की सुरक्षा और दुर्दांत अपराधियों के खात्मे का जोर-शोर से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आगे भी पांच साल तक 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त खाद्यान्न वितरित करेगी। दोनों सरकारें गरीब लोगों को आवास, शौचालय, शुद्ध पीने का पानी मुहैया करा रही है। बदहाल सड़कों का निर्माण कराया गया, विद्युत आपूर्ति सुधारी गई। दोनों सरकारें सभी वर्गों और समुदाय के लोगों के लिए बिना भेदभाव के योजनाएं चला रही हैं। योगी आदित्यनाथ ने कैराना सीट पर प्रदीप चौधरी और सहारनपुर सीट से राघव लखनपाल को जिताने की अपील की। योगी आदित्यनाथ करीब डेढ़ बजे बड़गांव पहुंचे। बड़गांव क्षेत्र राजपूत बहुल है और यह बड़े नेताओं की सभाओं के लिए जाना जाता है।

योगी आदित्यनाथ पिछले विधानसभा चुनावो में भी अंतिम समय में बड़गांव क्षेत्र में आए थे और नाराज राजपूतों का रूख पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में मोड़ गए थे और तयशुदा हारने जा रही सीट का नतीजा योगी के कारण बदल गया था। इसी आश्चर्य की उम्मीद योगी जी से प्रदीप चौधरी और राघव लखनपाल शर्मा भी लगाए हुए हैं। गंगोह में पूर्व गन्ना मंत्री सुरेश राणा की उपस्थिति को बहुत महत्व दिया गया। सुरेश राणा सहारनपुर सीट से टिकट के दावेदार थे। उन्हें टिकट ना दिए जाने और गाजियाबाद से जनरल वीके सिंह का टिकट काटे जाने से ही इस पूरे क्षेत्र में राजपूतों में नाराजगी बढ़ी। दूसरे नाराज नेता वीरेंद्र सिंह गुर्जर को भी मंच पर बैठाया गया। गन्ना मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, कई पूर्व गुर्जर विधायक सुशील चौधरी, महिपाल माजरा, मौजूदा विधायक चौधरी कीरत सिंह, सैनियों की नाराजगी को दूर करने को मौजूदा मंत्री जसवंत सैनी, पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी भी मंच पर उपस्थित थे। विधायक मुकेश चौधरी, नए बने एमएलसी मोहित बेनीवाल भी योगी आदित्यनाथ के साथ मंच पर दिखे। बड़गांव में उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा और जिले के अन्य प्रमुख नेता उपस्थित थे। मतदान से चंद रोज पहले राजपूतों की खासतौर से नाराजगी दूर करने का भाजपा का यह आखिरी और बड़ा प्रयास था। अब देखना है कि इससे राजपूतों की नाराजगी कितनी दूर होती है।

समस्याओं को खत्म कर भाजपा सरकार ने किया देश का विकास

भाजपा प्रत्याशी ने मक्सी एवं बेरछा मंडल में किया जनसंपर्क

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, देवास शाजापुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी महेंद्र सिंह सोलंकी ने शुक्रवार को शाजापुर विधानसभा के मक्सी एवं बेरछा मंडलों के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क किया एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकास कार्यों के बारे में जनता को बताया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा प्रत्याशी श्री सोलंकी ने अपने जनसंपर्क की शुरुआत सुबह 09 बजे मक्सी मंडल के गांव झोकर से की। इस दौरान कार्यकर्ताओ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जनसंपर्क के दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए श्री सोलंकी ने कहा मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के पहले देश में अनेक समस्याएं खड़ी थी जिन्हें एक के बाद एक देश यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने खत्म किया और समस्याओं को खत्म करने के साथ ही देश का चहुमुखी विकास भी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने किया है। जहां हम देखते है की गांव लेकर शहर में बड़े बड़े हाइवे बनकर हम सबके सामने है। भाजपा प्रत्याशी श्री सोलंकी ने मक्सी मंडल के बाद बेरछा मंडल के विभिन्न गांवों में भी जनसंपर्क किया और देर शाम गांव सापखेड़ा में जनसंपर्क का समापन हुआ। जनसंपर्क के दौरान विधायक अरुण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया, जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, प्रदीप चंद्रवशी, संतोष जोशी, रवि पांडे, प्रेम जैन, किरण ठाकुर, गोपाल राजपूत, श्याम टेलर, सोनू सोलंकी, गोपाल पटेल,राधेश्याम गुर्जर, मोहन जादौन, जगदीश पाल, हरिओम गोठी सहित आदि पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने कटनी के कुलुआं बडखेरा में की कार्यवाही

रोजगार सहायक सचिव को रिश्वत लेते रंगेहाथ अरेस्ट किया

सुनील यादव । सिटी चीफ जबलपुर, जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने कुलूआ बडखेरा ग्राम के रोजगार सहायक सचिव प्रवीण कुमार तिवारी को संबल योजना के रूपयो को महिला के एकाउंट में डलवाने के एवज में मांगे गए 20 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ अरेस्ट किया। जबलपुर लोकायुक्त के अधिकारी स्वप्निल दास ने बताया की इस कार्यवाही में 6 सदस्यीय टीम मिलकर कार्यवाही में जुटी है। कटनी जिले के कुलुआं बडखेरा ग्राम निवासी जीरा बाई के पति की मौत का 2 लाख रुपया संबल योजना के तहत महिला के एकाउंट में डलवाने के नाम पर 20 हज़ार रुपए मांगे थे। पीड़ित पत्नी जीरा बाई ने इसकी शिकायत जबलपुर लोकायुक्त में की थी जिस शिकायत के आधार पर लोकायुक्त ने कटनी जिले के यू को बैंक के सामने आरोपी रोजगार सहायक सचिव प्रवीण कुमार तिवारी को 20 हज़ार रुपए की रिश्वत लेते अरेस्ट किया है और माधवनगर स्थित एमपीईबी रेस्ट हाउस में आरोपी को ला कार्यवाही की जा रही है।

बोरवेल में गिरे बच्चे को बचाने के प्रयास जारी, 50 फीट तक हुई खुदाई, दोनों ओर 40-40 फीट के गड्ढे भी बनाए

रीवा। जनेह थाना क्षेत्र के मनिका गांव में शुक्रवार को बोरवेल में गिरे बच्चे को बचाने के प्रयास जारी है। 15 घंटे से अधिक समय से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन बच्चे तक नहीं पहुंचा जा सका है। ऐसे में अब बोरवेल के पास टनल बनाई जा रही है।कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि बच्चे को बचाने के प्रयास चल रहे हैं। बोरवेल की गहराई 70 फीट है, अब तक 50 फीट खुदाई की जा चुकी है। कैमरे और एलईडी के माध्यम से जानकारी ली है, उसके अनुसार 45 से 50 फीट की गहराई में बच्चे के फंसे होने की संभावना है। बोरवेल के पास टनल बनाई जा रही है, ताकि बच्चे तक आसानी से पहुंचा जा सके।

देर रात पहुंची थी एसडीआरएफ की टीम- देर रात बच्चे को बचाने के लिए बनारस से एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई है। बोरवेल में दोनों ओर से लगभग 40 फीट के गड्ढे बना दिए गए हैं इनके माध्यम से मासूम को बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। **पूरी रात चला रेस्क्यू ऑपरेशन**- गौरतलब है कि शुक्रवार को 6 वर्षीय मासूम खेलते समय खुले बोरबेल में गिर गया था। जिसकी सूचना पुलिस को दी। वहीं प्रशासन भी मौके पर पहुंच गया था और रेस्क्यू टीम को बचाकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया था। देर रात तक 37 फीट खुदाई होने के बाद भी रेस्क्यू ऑपरेशन टीम बच्चे तक नहीं पहुंच सकी है। पूरी रात चला रेस्क्यू ऑपरेशन, लेकिन बच्चे का सुराग नहीं लग सका। बच्चे के 55 फीट के आसपास फंसे होने की आशंका जताई जा रही है।

दोस्तों के साथ खेल रहा था मयंक- बताया गया कि मयंक गेहूं के खेत में अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था। इसी दरमियान वो अचानक फिसलकर बोरवेल में जा गिरा। जिसकी सूचना साथ खेल रहे बच्चों ने मयंक के घर वालों को दी। स्थानीय लोगों और परिजनों के द्वारा तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी गई। फिलहाल बच्चे को सुरक्षित तरीके से बोरवेल से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक बोरवेल 60 फीट गहरा है।

होमगार्ड की स्थाई नियुक्ति के लिए अयोग्य घोषित करने का आदेश निरस्त हाई कोर्ट ने दिए आदेश

जबलपुर। हाई कोर्ट ने होमगार्ड की स्थायी नियुक्ति के लिए याचिकाकर्ता आवेदक को अयोग्य घोषित करने वाले आदेश को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने होमगार्ड के सीनियर स्टाफ आफिसर, जबलपुर को निर्देश दिए हैं कि वे स्क्रीनिंग कमेटी के रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई कर याचिकाकर्ता की नियुक्ति पर निर्णय लें।याचिकाकर्ता बुरहानपुर निवासी सयैद आरिफ की ओर से अधिवक्ता विकास महावर ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि सिंहस्थ महोत्सव के दौरान 2200 जवानों को अस्थाई नियुक्ति दी गई थी। बाद में उन्हें स्थाई नियुक्ति देने का निर्णय लिया गया। इस बीच सभी की स्क्रीनिंग हुई। सीनियर स्टाफ आफिसर, जबलपुर ने 25 सितंबर, 2020 को आदेश जारी कर आपराधिक प्रकरण दर्ज होने के कारण याचिकाकर्ता को होमगार्ड सैनिक के रूप में नियुक्त से वंचित कर दिया। अधिवक्ता विकास महावर ने दलील दी कि स्क्रीनिंग कमेटी ने याचिकाकर्ता सहित 11 आवेदकों को नियुक्ति के लिए उपयुक्त पाया था। हाई कोर्ट को अवगत कराया गया कि कुछ अभ्यर्थियों को लाभ भी दिया जा चुका है। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता के आवेदन पर भी स्क्रीनिंग कमेटी की अनुशंसा के तहत कार्रवाई करने के राहतकारी निर्देश दे दिए।

बाइडेन का दावा- इजराइल पर जल्द से जल्द हमला कर सकता है ईरान

इंटरनेशनल डेस्क: राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान जल्द से जल्द इजराइल पर हमला करेगा। जब बाइडेन से पूछा गया कि इजराइल पर ईरानी हमला कितना आसन्न होगा, तो उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं सुरक्षित जानकारी में नहीं जाना चाहता, लेकिन मेरी उम्मीद जल्द से जल्द होने की है। यह पूछे जाने पर कि इस समय ईरान के लिए उनका संदेश क्या है, राष्ट्रपति ने कहा, नहीं। पत्रकारों से बात करते हुए बाइडेन ने कहा कि हम इजराइल की रक्षा के लिए समर्पित हैं। हम इजराइल का समर्थन करेंगे और इजराइल की रक्षा में मदद करेंगे और ईरान सफल नहीं होगा। हाल के दिनों में इजराइल पर एक महत्वपूर्ण ईरानी जवाबी हमले के लिए अमेरिका हाई अलर्ट पर है, क्योंकि व्यापक क्षेत्रीय युद्ध की आशंका बढ़ गई है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि पिछले हफ्ते सीरिया में ईरानी राजनयिक परिसर पर इजराइल के हमले में तीन ईरानी जनरलों की मौत के बाद ईरान द्वारा हमले करने का वास्तविक, विश्वसनीय और व्यवहार्य खतरा बना हुआ है। बाइडेन, जिन्होंने इस सप्ताह चेतावनी दी थी कि ईरान इजराइल पर %महत्वपूर्ण हमले% की धमकी दे रहा है, अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से स्थिति पर लगातार अपडेट प्राप्त कर रहे हैं। भारत, ब्रिटेन और फ्रांस सहित कई अन्य देशों ने ईरानी खतरा मंडराते हुए इजराइल में सरकारी कर्मचारियों के लिए नए यात्रा दिशानिर्देश जारी किए। क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, सभी भारतीयों को सलाह दी जाती है कि वे अगली सूचना तक ईरान या इजराइल की यात्रा न करें। जो लोग वर्तमान में ईरान या इज़राइल में रह रहे हैं, उनसे अनुरोध है कि वे वहां भारतीय दूतावासों से संपर्क करें और अपना पंजीकरण कराएं। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, हम इस पर बहुत करीब से नजर रख रहे हैं। उन्होंने खतरे के अपेक्षित समय के बारे में जानकारी देने से इनकार कर दिया। वाशिंगटन में दो अधिकारियों ने सीएनएन को बताया कि अगर ऐसा करना संभव हुआ तो अमेरिका इजरायल की ओर लॉन्च किए गए किसी भी हथियार को रोकने का प्रयास करेगा, जो दोनों सेनाओं के बीच चल रहे सहयोग के स्तर का एक संकेत है। लाल सागर में अमेरिकी नौसेना के जवानों ने पहले यमन में हौथिस से इजराइल की ओर लॉन्च की गई लंबी दूरी की मिसाइलों को रोक दिया था। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इराक और सीरिया में अमेरिकी सेना उत्तरी इजराइल को निशाना बनाने वाले ड्रोन और रॉकेटों को संभावित रूप से रोक सकती है, यह उस स्थान पर निर्भर करता है जहां से उन्हें लॉन्च किया गया है।

गौरतलब है कि सीरिया की राजधानी दमिश्क में एक अप्रैल को अपने कॉसुलेट पर हुए हमले के बाद ईरान ने साफ तौर पर कहा था कि वह इसके लिए इजराइल को मुंहतोड़ जवाब देगा। लेकिन वह ऐसा कब और कैसे करेगा? यह वह अपने हिसाब से तय करेगा। दमिश्क हमले में तीन सीनियर सैन्य कमांडर सहित 7 ईरानी नागरिकों की जान गई थी। इनमें मोहम्मद रेजा जाहेदी की भी मौत हुई, जो इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर के ग्राउंड और एयर फोर्स के पूर्व कमांडर थे। वे सीरिया और लेबनान में ईरान के प्रॉक्सीज के साथ समन्वय का अहम किरदार निभा रहे थे।

पाकिस्तान में फिर गिराया गया ऐतिहासिक हिंदू मंदिर, बनने जा रहा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स

इंटरनेशल डेस्क: खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को गिरा दिया गया है और उस स्थान पर एक वाणिज्यिक परिसर का निर्माण शुरू हो गया है, जो 1947 से बंद था जब इसके मूल निवासी भारत चले गए थे। खैबर मंदिर खैबर जिले के सीमावर्ती शहर लैंडी कोटाल बाजार में स्थित था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह धीरे-धीरे लुप्त होता जा रहा था। इस स्थान पर निर्माण करीब 10-15 दिन पहले शुरू हुआ था। विभिन्न प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों ने या तो हिंदू मंदिर के अस्तित्व के बारे में जानकारी होने से इनकार किया या दावा किया कि निर्माण नियमों के अनुसार हो रहा है। लैंडी कोटाल निवासी प्रमुख कबायली पत्रकार इब्राहिम शिनवारी ने दावा किया कि मुख्य लैंडी कोटाल बाजार में एक ऐतिहासिक मंदिर था। उन्होंने कहा, मंदिर लैंडी कोटाल बाजार के केंद्र में स्थित था, जिसे 1947 में स्थानीय हिंदू परिवारों के भारत चले जाने के बाद बंद कर दिया गया था। 1992 में भारत में अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद कुछ मौलवियों और मदरसों ने इसे आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया था। इब्राहिम ने अपने बचपन को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूर्वजों से इस मंदिर के बारे में अनेक कहानियां सुनीं। उन्होंने कहा, ''इस बात में कोई संदेह नहीं है कि लैंडी कोटाल में 'खैबर मंदिर नाम का एक धर्मस्थल था। पाकिस्तान हिंदू मंदिर प्रबंधन समिति के हारून सरबदियाल ने जोर देकर कहा कि गैर-मुसलमानों के लिए धार्मिक महत्व की ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा और पुनर्वास सुनिश्चित करना जिला प्रशासन और संबंधित सरकारी विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, पुलिस, संस्कृति विभाग और स्थानीय सरकार पूजा स्थलों सहित ऐसे स्थलों की सुरक्षा के लिए 2016 के पुरावशेष कानून से बंधे हैं। वहीं, डॉन अखबार ने लैंडी कोटाल के सहायक आयुक्त मुहम्मद इरशाद के हवाले से कहा कि खैबर कबायली जिले के आधिकारिक भूमि रिकॉर्ड में मंदिर का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने मंदिर गिराए जाने के बारे में अनभिज्ञता प्रकट की। उन्होंने कहा, ''लैंडी कोटाल बाजार में पूरी जमीन राज्य की थी। लैंडी कोटाल के पटवारी जमाल आफरीदी ने दावा किया कि उन्हें मंदिर स्थल पर निर्माण गतिविधि की जानकारी नहीं है।

भारत के साथ सीमा विवाद सुलझाने में 'बड़ी सकारात्मक प्रगति हुई है

इंटरनेशनल डेस्क- चीन और भारत ने सीमा गतिरोध को हल करने के लिए 'बड़ी सकारात्मक प्रगति की है और दोनों पक्षों के बीच गहन संवाद जारी है । विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यहां यह बात कही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग की टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया बयान पर चीन की प्रतिक्रिया पर और विस्तार से आयी है । प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत के लिये चीन के साथ संबंध महत्वपूर्ण हैं और सीमाओं पर 'लंबे समय से चली आ रही स्थिति% का तत्काल समाधान किया जाना चाहिए।

'न्यूजवीक पत्रिका के साथ साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री ने आशा जतायी थी कि राजनयिक और सैन्य स्तरों पर सकारात्मक एवं रचनात्मक द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से, दोनों देश अपनी सीमाओं पर शांति और स्थिरता बहाल करने और बनाए रखने में सक्षम होंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में न्यूजवीक को दिए गए मोदी के साक्षात्कार पर एक सवाल के जवाब में कहा, ''सीमा मुद्दे के बारे में, मैं आपको बता सकती हूं कि चीन और भारत के बीच राजनयिक एवं सैन्य चैनलों के माध्यम से गहन संवाद चल रही स्थिति का तत्काल समाधान करने की आवश्यकता है ताकि हमारी द्विपक्षीय बातचीत में असामान्यता को पीछे छोड़ा जा सके।उन्होंने कहा, ''भारत और चीन के बीच स्थिर एवं शांतिपूर्ण संबंध न केवल दोनों देशों, बल्कि पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं।माओ ने बृहस्पतिवार को मोदी के साक्षात्कार पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि चीन ने प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों पर गौर किया है। उन्होंने कहा, ''मजबूत और स्थिर चीन-भारत संबंध दोनों देशों के हितों की पूर्ति करते हैं और क्षेत्र एवं उससे परे शांति तथा विकास के लिए जरूरी हैं। हुये हैं और बड़ी सकारात्मक प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, ''हम यह भी मानते हैं कि चीन और भारत के बीच स्वस्थ संबंध दोनों देशों के हितों की पूर्ति करते हैं।

माओ ने कहा, ''चीन को उम्मीद है कि भारत मतभेदों को ठीक से संभालने और द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ एवं स्थिर मार्ग पर आगे बढ़ाने के लिए चीन के साथ इसी सकारात्मकता के साथ काम करेगा ।पिछले कुछ दिनों में यह दूसरा मौका है जब चीन ने मोदी के साक्षात्कार पर प्रतिक्रिया दी है। मोदी ने अपने साक्षात्कार में कहा, ''मेरा मानना है कि हमें अपनी सीमाओं पर लंबे समय से

जर्मन सांसद लोगों के लिए लिंग परिवर्तन कराना आसान बनाने को लेकर मतदान में लेंगे हिस्सा

इंटरनेशनल डेस्क. जर्मन सांसद ट्रांसजेंडर, इंटरसेक्स और नॉन बाइनरी लोगों के लिए आधिकारिक दस्तावेजों में अपना नाम और लिंग बदलना आसान बनाने की सरकारी योजना पर शुक्रवार को मतदान कर सकते हैं। आत्मनिर्णय कानून कई सामाजिक सुधारों में से एक है, जिसका वादा चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ की गठबंधन सरकार ने 2021 के अंत में कार्यभार संभालने के बाद किया था, जो एक नवंबर को प्रभावी होगा।

यह वयस्कों को बिना किसी औपचारिकता के रजिस्ट्री कार्यालयों में अपना पहला नाम और कानूनी लिंग बदलने की अनुमति देगा। उन्हें यह परिवर्तन करने से तीन महीने पहले कार्यालय को सूचित करना होगा। देश का मौजूदा ट्रांससेक्सुअल कानून चार दशक पुराना है। इसके तहत आधिकारिक दस्तावेजों में लिंग बदलने के इच्छुक व्यक्तियों को पहले दो विशेषज्ञों से आकलन हासिल करना होता है और फिर अदालत फैसला देती है।

स्पेन के तट के पास रबर की नौका में मिले चार महिला प्रवासियों के शव

इंटरनेशनल डेस्क. दक्षिण-पूर्व स्पेन के तट के पास रबर की नाव में चार महिलाओं के शव मिले हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दक्षिणपूर्व शहर मर्सिया के सरकारी कार्यालय ने कहा कि तट रक्षकों द्वारा देखे जाने के बाद नाव को शुक्रवार तड़के समुद्री बचाव सेवाओं द्वारा कार्टाजेना के बंदरगाह पर खींचकर लाया गया।

सरकारी कार्यालय ने आगे कहा कि महिलाएं उत्तरी अफ्रीकी मूल की प्रतीत होती हैं और ये प्रवासी हो सकती हैं जो स्पेन पहुंचने की कोशिश कर रही हों। उत्तर पश्चिमी अफ़्रीका से स्पेन पहुंचने के लिए प्रवासी ऐसी नावों का अक्सर उपयोग करते हैं। मौत का कारण पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम किया जाना है। नाव में और कोई व्यक्ति नहीं मिला है।

काशी मंदिर में पुजारी की पोशाक में पुलिसकर्मी, मंत्री जी ने पूछा आदेश किसने दिया?

नेशनल डेस्क- वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के प्रयास में, पुजारी की पोशाक में पुलिस अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर तैनात किया गया है। इस कदम से विवाद पैदा हो गया और समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसकी निंदा की और उत्तर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पर लिखा, किस पुलिस मैनुअल के अनुसार पुलिसकर्मियों को पुजारी की पोशाक में रखना सही है? ऐसे आदेश देने वालों को निलंबित कर दिया जाना चाहिए। अगर कल को कोई ठग इसका फायदा उठाकर भोली-भाली जनता को लूट ले तो यूपी सरकार और प्रशासन क्या जवाब देगा। ? वाराणसी के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि यह पहल न केवल भक्तों की भारी आमद को प्रबंधित करने के लिए की गई है, बल्कि उन्हें मंदिर में आने पर देवता के अछे दर्शन करने में भी मदद करेगी।

उन्होंने बताया कि, देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु हर दिन मंदिर आते हैं। हम चाहते हैं कि वे सकारात्मक भावना के साथ वापस जाएं और अपनी यात्रा के संबंध में संतुष्टि की भावना प्राप्त करें। हालांकि, चूंकि भीड़ भी दैनिक आधार पर अत्यधिक होती है, इसलिए हमें इसकी आवश्यकता है। सुनिश्चित करें कि यह चलता रहे ताकि हर कोई देवता पर अछी नज़र डाल सके। मोहित अग्रवाल ने कहा कि भक्तों द्वारा पुलिस अधिकारियों के दुर्व्यवहार की शिकायत करना आम बात है, जिससे उन्हें नकारात्मक मन:स्थिति में मंदिर छोड़ना पड़ता है। वाराणसी पुलिस आयुक्त ने इस पहल के पीछे के निर्णय के बारे में बताया, भक्त अक्सर मंदिर यात्रा के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा उन्हें धक्का देने की शिकायत करते हैं। हालांकि, वे आसानी से पुजारियों की बात सुनते हैं क्योंकि वे उनके प्रति सम्मान और गर्मजोशी महसूस करते हैं। मोहित अग्रवाल ने कहा कि पुजारी की वेशभूषा में पुलिस अधिकारी नो-टच पॉलिसी का पालन करेंगे ताकि श्रद्धालु अब धक्का देने या अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार की शिकायत न करें। वर्दी में भी पुरुष और महिला दोनों पुलिस अधिकारी हैं, लेकिन उन्हें काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह के बाहर तैनात किया गया है। उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि भीड़ चलती रहे। मोहित अग्रवाल ने कहा कि मंदिर ड्यूटी के लिए तैनात पुलिस अधिकारियों को तीन दिन पहले प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें उन्हें मृदुभाषी होने और गैर-हिंदी भाषी भक्तों के साथ संवाद करने के लिए बुनियादी अंग्रेजी बोलने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विदेश सचिव क्वात्रा ने अमेरिकी रक्षा उप मंत्री से की मुलाकात, हिंद-प्रशांत में सुरक्षा बढ़ाने पर दिया जोर

वाशिंगटन: भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में हुई प्रगति पर विस्तृत समीक्षा करने के लिए अमेरिकी रक्षा उप मंत्री कैथलीन हिक्स और कई अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान क्वात्रा और हिक्स ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के अपने साझा प्रयासों पर चर्चा की। क्वात्रा इस सप्ताह अमेरिका में हैं, जहां वह अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे और रक्षा एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ बातचीत करेंगे।

पेंटागन प्रवक्ता एरिक पैहोन ने कहा कि हिक्स और क्वात्रा ने अमेरिका-भारत रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की प्राथमिकताओं पर चर्चा की, साथ ही दोनों ने अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग के अमल के तरीकों पर भी चर्चा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार दोनों अधिकारियों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में प्रमुख रक्षा साझेदारी में ऐतिहासिक तेजी को भी रेखांकित किया। इसमें कहा गया है कि उन्होंने लड़ाकू जेट इंजन और बख्तरबंद वाहनों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के प्रयासों की सराहना की। साथ ही अमेरिकी और भारतीय शोधकर्ताओं, उद्यमियों और निवेशकों के बीच नवाचार और साझेदारी को बढ़ावा देने में भारत-अमेरिका रक्षा त्वरण पारिस्थितिकी तंत्र (इंडस-एक्स) की निरंतर सफलता की सराहना की। पैहोन ने कहा कि क्वात्रा और हिक्स ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के साझा प्रयासों पर प्रकाश डाला साथ ही सभी क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए अमेरिका-भारत सैन्य भागीदारी के दायरे के विस्तार के महत्व पर भी चर्चा की। बयान में कहा गया है कि उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर भी चर्चा की और क्षेत्र में चीन के आक्रामक बर्ताव के बीच स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए निकटता से काम करने की प्रतिबद्धता जताई। भारतीय दूतावास द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्च स्तरीय बातचीत के क्रम में है और हमारी बढ़ती और भविष्योन्मुखी साझेदारी को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। बयान के अनुसार 10 से 12 अप्रैल की अपनी यात्रा के दौरान क्वात्रा ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। क्वात्रा ने प्रबंधन एवं संसाधन के लिए उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा, उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, रक्षा विभाग और ऊर्जा मंत्रालय के प्रमुख अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। दूतावास ने कहा, ''इन चर्चाओं में भारत-अमेरिका संबंधों, बढ़ते रक्षा और वाणिज्यिक संबंधों, लचीली आपूर्ति श्रृंखला और समकालीन क्षेत्रीय विकास के संपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569